सोशल मीडिया से जुड़ें

Title Code : DELHIN28985.
DCP Licensing Number :
F.2 (P-2) Press/2023

www.newsparivahan.com

परिवहन विशेष

वर्ष 01, अंक 292, नई दिल्ली । सोमवार, 01 जनवरी 2024, मूल्य ₹ 5, पेज 8

देश का पहला ट्रांसपोर्ट दैनिक समाचार पत्र

आज का सुविचार

गुरु बिना जान कहाँ
उसके जान का न अंत यहाँ,
गुरु ने दी शिक्षा जहाँ
उठी शिष्टाचार की मूरत वहां।
नए वर्ष की मंगलकामनायें

03 नए साल के जश्न में डूबी दिल्ली, सुरक्षा के बीच सड़कों पर दिखी भीड
05 बीते वर्ष में आत्मनिर्भर बनने के संकल्प के पथ पर भारत ने नई रेखाएं खींची
08 राम मंदिर के नाम पर हो रही अवैध चंदा वसूली

इनसाइड

काशी में ई-रिक्शा के लिए निर्धारित होंगे रूट, मनमानी करने वालों के खिलाफ लिया जाएगा एक्शन

वाराणसी। 10 जनवरी से पुलिस लाइन में थानावार ई-रिक्शा संचालक अपने वाहन के आरसी, बीमा, फिटनेस और आधार कार्ड के साथ आएंगे। आवश्यक औपचारिकता पूरी कर निशुल्क क्यूआर कोड देकर उन्हें रूट आवंटित किया जाएगा। कमिश्नरेट के काशी जोन को चार सबजोन में बांट कर ई-रिक्शा के लिए रूट का निर्धारण किया जाएगा। इसके लिए 10 जनवरी से पुलिस लाइन में ई-रिक्शा संचालकों को क्यूआर कोड देकर उनका रूट आवंटित किया जाएगा। यह निर्णय ट्रैफिक पुलिस लाइन स्थित सभागार में डीसीपी ट्रैफिक विक्रांत वीर की अध्यक्षता में ई-रिक्शा संचालकों की बैठक में लिया गया। एडीसीपी ट्रैफिक राजेश कुमार पांडेय ने बताया कि कोतवाली, जैतपुरा, आदमपुर, चौक, दशाश्वमेघ, लक्सा, चेतगंज, सिगरा, भेलुपर, लंका, और चितईपुर थाना क्षेत्र में रहने वाले ई-रिक्शा संचालकों की बैठक बुलाई गई थी। बैठक में तय हुआ कि काशी जोन को चार सब जोन में बांटा जाए। जो ई-रिक्शा जिस थाना क्षेत्र का होगा, वह उसी क्षेत्र में चलेगा। इसके लिए सभी ई-रिक्शा को क्यूआर कोड दिया जाएगा। 10 जनवरी से पुलिस लाइन में थानावार ई-रिक्शा संचालक अपने वाहन के आरसी, बीमा, फिटनेस और आधार कार्ड के साथ आएंगे। आवश्यक औपचारिकता पूरी कर निशुल्क क्यूआर कोड देकर उन्हें रूट आवंटित किया जाएगा।

आटो टैक्सी शाखा दिल्ली की कार्य शैली क्या मोटर वाहन नियम/रूल के अनुसार है?

हस्तचालित शैली से कार्य क्यो और मोटर वाहन नियम की जगह अपनी इच्छा की कार्यशैली का प्रयोग क्यों?

संजय बाटला

नईदिल्ली। दिल्ली परिवहन विभाग जहां परिवहन आयुक्त द्वारा भारत देश में सबसे पहले फेस फ्री आनलाइन आवेदन सुविधाएं की घोषणा करी गई और इसी के लिए दिल्ली में जनता को सेवा प्रदान करने वाले तीन क्षेत्रीय कार्यालय बंद कर दिए थे, यह बात तो पूरा विश्व जानता है पर क्या यह जानती है कि दिल्ली परिवहन आयुक्त द्वारा जानकारी रखते हुए भी आटो टैक्सी शाखा जहां दिल्ली में व्यवसायिक गतिविधियों में लिप्त सबसे ज्यादा वाहनों का पंजीकरण एवम्परमिट जारी करने के साथ आटो एवं फटफट सेवा वाहनों के जांच प्रमाणपत्र जारी होते हैं में **आनलाइन सुविधाएं उपलब्ध होने के बावजूद आज तक हस्तचालित शैली से चलवा रखा है** और टोलवा द्वारा बार बार इस बात को उठाने के बाद भी हस्तचालित ही रखवा रखा है आखिर क्यों, बड़ा सवाल?

इसके अलावा मोटर वाहन नियम के अनुसार किसी वाहन मालिक जिसको दिल्ली में वाहन चलाने के लिए ड्रा/ लाटरी/ विशेष रूप में परमिट जारी किया हुआ हो के पुराने वाहन के बदले नया वाहन परिवर्तित करने के लिए रिप्लेसमेंट मोड में परमिट जारी कर रिप्लेसमेंट मोड स्लिप जारी किया जाना जरूरी होता है पर परिवहन आयुक्त के दिशा निर्देश में आटो शाखा में आटो के परमिट को स्थायी मोड में जमा करवा दिया जाता हैं और रिप्लेसमेंट की जगह आटो चालक को नया परमिट प्रदान करने वाली एलओआई जारी करवाते हैं और उसके लिए भी **पहले वाहन पर कोई सरकारी राशि बकाया नही है के लिए जो प्रमाणपत्र जारी करते हैं वह आनलाइन उपलब्ध हैं पर परिवहन आयुक्त के दिशा निर्देश के कारण हस्तचालित शैली से जारी करवाते आ रहे हैं आखिर क्यों, बड़ा सवाल?**

इसके अलावा भारत सरकार द्वारा पंजीकृत वाहन स्क्रैप डीलर द्वारा **वाहन पोर्टल में आटो वाहन को स्क्रैप करने के बाद भी उसको हस्तचालित शैली से रखवा रखा है, आखिर क्यों बड़ा सवाल?**

अब दिल्ली की जनता स्वयं फैसला करे की आखिर परिवहन विभाग की आटो शाखा जहां दिल्ली के सबसे ज्यादा व्यवसायिक कार्यों में स्लगन वाहनों का कार्य होता है पर **हस्तचालित शैली से कार्य क्यो और मोटर वाहन नियम की जगह अपनी इच्छा की कार्यशैली का प्रयोग क्यों?**

क्या यही कारण तो नही यहाँ सबसे ज्यादा कानूनी एवम्-एंटी करप्शन के केस पंजीकृत होते रहते हैं।

नेशनल हाईवे पर धुंध-कोहरे की मार से कम दृष्टि और बढते एक्सिडेंट पर सडक सुरक्षा उपाय के दिए निर्देश

परिवहन विशेष। एसडी सेठी।

नई दिल्ली। सर्दी के मौसम की शुरूआत के चलते धुंध -कोहरे की मार से कम दृश्यता राष्ट्रीय राजमार्गो पर दुर्घटनाओं की वजह बन रहे हैं। कम दृश्यता से निपटने के लिए राष्ट्रीय राजमार्ग प्राधिकरण (एनएच एआई) के अध्यक्ष संतोष कुमार यादव ने प्राधिकरण के क्षेत्रीय कार्यालय को विभिन्न प्रभावी उपाय करने के निर्देश दिए है। इसमें इंजीनियरिंग और सुरक्षा जागरूकता उपाय भी शामिल है। इसके अलावा राजमार्ग पर दृश्यता का जायजा लेने और सुरक्षा में बाधा बन रहे स्थानो की पहचान करने के लिए (एनएच एआई) अधिकारियों ,स्वतंत्र इंजीनियरों रियायतग्रही व ठेकेदार की टीम द्वारा वीकली आधार पर रात के समय राजमार्ग निरीक्षण करने का निर्देश दिया गया है। वहीं इंजीनियरिंग उपायो के तहत अनुपयुक्त व क्षतिग्रस्त सडक संकेतो को फिर से स्थापित करना ,फुटपाथ चिन्हों को सुधारना, मार्कर की दृश्यता बढाना, बस्तियों और दुर्घटना संभावित स्थानो में चिन्ह प्रदान करना शामिल है ।निर्माणाधीन और खतरनाक स्थानो पर बिलंकर सुनिश्चित करना और खतरे के मार्कर व संकेतो का प्रतिस्थापन शामिल है।
इसी तरह सुरक्षा जागरूकता उपायों में कोहरे के मौसम के बारे में चेतावनी और गति सीमा संदेशो को प्रदर्शित करने के लिए परिवर्तनीय संदेश संकेत उपयोग शामिल है ।कोहरे वाले क्षेत्रो में 30 किलोमीटर व प्रति घंटे की ड्राइविंग गति सीमा के बारे में चेतावनी देने वाली पब्लिक एड्रेस सिस्टम का उपयोग करना शामिल है ।टोल प्लाजा पर सार्वजनिक सेवा घोषणा ओ के लिए इलैक्ट्रिक होर्डिंग, रेडियो और सोशल मीडिया का उपयोग, कोहरे के दौरान सडक के किनारे की सुविधाए और राजमार्गो पर वाहनों की पूरी चौडाई पर परावर्तक टेप लगाना शामिल है।

परिवहन विशेष
देश का पहला ट्रांसपोर्ट दैनिक समाचार पत्र
Title Code : DELHIN28985

1. Web Portal https://www.newsparivahan.com/
2. facebook https://www.facebook.com/newsparivahan00
3. Twitter https://twitter.com/newsparivahan
4. Linkedin https://www.linkedin.com/in/news-parivahan-169680298/
5. Instagram https://www.instagram.com/news_parivahan/
6. Youtube https://www.youtube.com/@NewsParivahan

पर आप सभी के लिए 24 घण्टे उपलब्ध

3, प्रियदर्शिनी अपार्टमेंट, A-4 पश्चिम विहार, नई दिल्ली : 110063
सम्पर्क : 9212122095, 9811732095

www.newsparivahan.com, www.newstransport.in
Info@newsparivahan. com, news@newsparivahan.com
bathlasanjaybathla@gmail.com

भारतीय न्याय संहिता 2023 में हादसे में शामिल ड्राइवर के लिए 10 वर्ष की कैद का प्रावधान क्या सरकार द्वारा ड्राइवर को योद्धा की जगह मुजरिम करार करना नही?

क्या सरकार यह नहीं मानती और जानती की परिवहन और चालक राष्ट्र की प्रगति को अभिन्न योगदान प्रदान करने में है सहायक ?

परिवहन विशेष न्यूज

नई दिल्ली। किसी भी देश की अर्थव्यवस्था मजबूत करने में परिवहन और चालक अर्थव्यवस्था के पहियों में महत्वपूर्ण भूमिका निभाते हैं और प्रस्तावित कानून न केवल चालकों पर एक भारी बोझ डालेगा बल्कि संपूर्ण आपूर्ति श्रृंखला को खतरे में डालने वाला सिद्ध होगा। इस कानून से व्यापारियों और उपभोक्ताओं के लिए गंभीर परिणाम हो सकते हैं।
प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी, गृह मंत्री अमित शाह और लोकसभा एवं राज्यसभा के तमाम गनमान्य सांसद सदस्यों को वाहन चालक की चिंता के साथ परिवहन क्षेत्र उद्योग को बचाने के लिए कानून में संशोधन पर पुनः विचार करना चाहिए।
वाहन चालक और वाहन मालिक दोनों ही सड़क सुरक्षा के प्रति जवाब देही में विश्वास रखते हैं पर सड़कों पर वाहनों को चलते समय आने वाले हालात को सिर्फ वाहन चालक ही समझ सकता हैं और कोई भी चालक अपनी इच्छा से दुर्घटना को कभी नहीं करता और दुर्घटना होने के बाद अपने वाहन या चोट खाए इंसान को छोड़ कर भागना तो कभी नहीं चाहता पर जनता वहा ऐसे हालात उत्पन्न कर देती है कि उसके पास भागने के अतिरिक्त कोई और रास्ता नहीं होता क्योंकि अगर वह वही खड़ा रहेगा तो उसके जीवन की सुरक्षा की ज़िम्मेदारी कोन लेगा।
ऐसे में भारत देश में वाहन व्यवसाय से जुड़े सभी मालिक, कर्मचारी हजारों मेहनती व्यक्तियों के जीविका का समर्थन करते हैं और इस कानून को लागू करने से पहले इसे पुनः विचार करने की सरकार से पुरजोर अपील करते हैं। भारत देश में चालको के हित में कार्यरत संस्थाओं/ यूनियन/ एनजीओ द्वारा सभी से अनुरोध है की आइए साथ मिलकर ड्राइवर को सुरक्षित रखने और परिवहन उद्योग की भलाई के समाधान की अपील करें, जिससे लाखों ड्राइवरो को और ट्रांसपोर्ट उद्योग से जुड़े व्यापारियों को बचाया जा सके।
दिल्ली में जंतर मंतर पर धरना प्रदर्शन की भी कई संस्थाओं द्वारा घोषणा हो चुकी है और अन्य कई संस्थाओं द्वारा ज्ञापन द्वारा भारत सरकार से अपील की गई है। अब देखना यह होगा की सरकार कितनी जल्दी ड्राइवरों के लिए लाए गए इस कानून पर पुनः विचार की घोषणा करती है।

चलो जंतर मंतर 3 जनवरी 2024, सुबह 10 बजे
काला कानून वापस लो
केंद्र सरकार से अपील है रोड पर दुर्घटना होने पर जो आपने काला कानून बनाया है अगर अपने ये 10 साल की सजा ओर 7 लाख का जुर्माना वाला काला कानून वपास नही लिया तो समस्त ड्राइवर समाज अपना व्यवसाय बन्द कर देंगे
Expert Driver solution
भारतीय चालक सेना
सुमित भारद्वाज

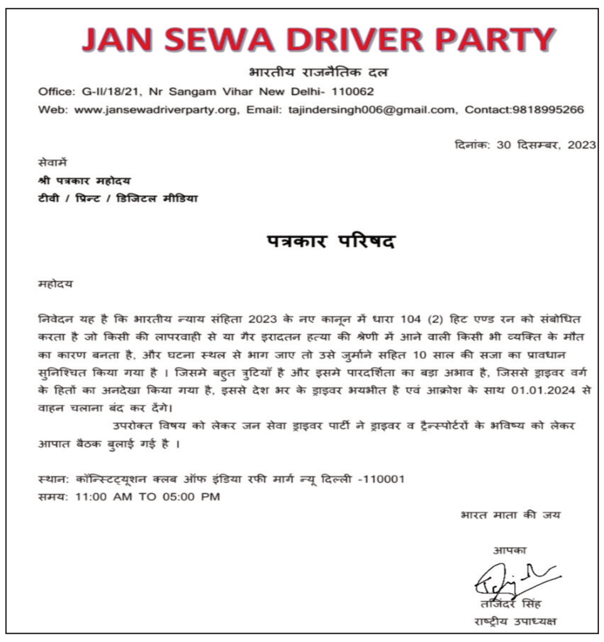

JAN SEWA DRIVER PARTY
भारतीय राजनैतिक दल
Office: G-II/18/21, Nr Sangam Vihar New Delhi- 110062
Web: www.jansewadriverparty.org, Email: tajindersingh006@gmail.com, Contact:9818995266

दिनांक: 30 दिसम्बर, 2023

सेवामें
श्री पत्रकार महोदय
टीवी / प्रिन्ट / डिजिटल मीडिया

पत्रकार परिषद

महोदय

निवेदन यह है कि भारतीय न्याय संहिता 2023 के नए कानून में धारा 104 (2) हिट एण्ड रन को संबोधित करता है जो किसी की लापरवाही से या गैर इरादतन हत्या की श्रेणी में आने वाली किसी भी व्यक्ति के मौत का कारण बनता है, और घटना स्थल से भाग जाए तो उसे जुर्माने सहित 10 साल की सजा का प्रावधान सुनिश्चित किया गया है । जिसमे बहुत त्रुटियाँ है और इसमे पारदर्शिता का बड़ा अभाव है, जिससे ड्राइवर वर्ग के हितों का अनदेखा किया गया है, इससे देश भर के ड्राइवर भयभीत है एवं आक्रोश के साथ 01.01.2024 से वाहन चलाना बंद कर देंगे।
उपरोक्त विषय को लेकर जन सेवा ड्राइवर पार्टी ने ड्राइवर व ट्रैन्स्पोर्टरों के भविष्य को लेकर आपात बैठक बुलाई गई है ।

स्थान: कॉन्स्टिट्यूशन क्लब ऑफ इंडिया रफी मार्ग न्यू दिल्ली -110001
समय: 11:00 AM TO 05:00 PM

भारत माता की जय

आपका
तजिंदर सिंह
राष्ट्रीय उपाध्यक्ष

हर महीने के पहले और चौथे सोमवार को लगने वाली बोली में बाकी दो नंबरों के लाखों आवेदन आते हैं।

राजधानी में वाहन का वीवीआईपी नंबर लेने का बढ़ा क्रेज
पसंदीदा नंबर पर लाखों रुपये कुर्बान कर रहे दिल्लीवाले

– इस महीने के पहले सोमवार को 0009 नंबर 7.50 लाख और 0007 नंबर 3.30 लाख रुपये में बिका था। इन दोनों नंबरों का बिडिंग प्राइज 3 लाख रुपये है।

नई दिल्ली। दिल्ली में वीवीआईपी नंबर लेने का क्रेज बढ़ रहा है। अपने वाहन के पसंदीदा नंबर लेने के लिए लोग लाखों कुर्बान करने को तैयार हैं। कई मामलों में नंबर की कीमत वाहन से भी ज्यादा बैठती है। सबसे ज्यादा मांग 0001, 0007 और 0009 नंबर की है। पिछली बार 0001 नंबर की कीमत 15 लाख लगाई गई थी। दिलचस्प यह कि परिवहन विभाग ने इसके बाद इस नंबर को अभी तक नीलामी की लिस्ट में ही शामिल नहीं किया है। हर महीने के पहले और चौथे सोमवार को लगने वाली बोली में बाकी दो नंबरों के लाखों आवेदन आते हैं। इस महीने के पहले सोमवार को 0009 नंबर 7.50 लाख और 0007 नंबर 3.30 लाख रुपये में बिका था। इन दोनों नंबरों का बिडिंग प्राइज 3 लाख रुपये है। दिल्ली परिवहन विभाग के दिल्ली ट्रांसपोर्ट इन्फ्रास्ट्रक्चर डेवलपमेंट कारपोरेशन (डीटीआईडीसी) के अधिकारियों के अनुसार,

0001 नंबर का बिडिंग प्राइज यानी बेस प्राइज पांच लाख रुपये तय है। इस नंबर के लिए सबसे ज्यादा लोग आवेदन करते हैं। ऐसे में ई-नीलामी होती है। मई में यह नंबर 15 लाख में बिका था

10 नंबरों के लिए आवेदन कर सकता है एक व्यक्ति

परिवहन विभाग के अधिकारियों ने बताया कि लोग फैंसी नंबर के लिए www.pariwahan.gov.in पर जाकर एडवांस में बुकिंग कर सकते हैं। नंबरों को बुकिंग करने की एक हजार रुपये फीस लगती है। यह रिफंड नहीं होती है। नंबर के लिए निर्धारित किया गया बेस प्राइज जमा करना होता है। यदि ई-आक्सन में नंबर नहीं मिलता है तो पैसा वापस मिल जाता है। एक व्यक्ति 10 नंबर के लिए आवेदन कर सकता है। जिसमें सिर्फ एक नंबर मिलता है।

इन नंबरों की चल रही एडवांस बुकिंग

वर्तमान में 0002 से 0009 तक के नंबरों की एडवांस बुकिंग चल रही है। इन नंबरों को बेस प्राइज यानी नीलामी राशि 3 लाख रुपये है। 00 के साथ 11, 18, 21, 27, 28, 45, 51, 81, 87, 99 ओर 1000 की 2 लाख रुपये बेस प्राइज के साथ एडवांस बुकिंग चल रही है। इसके साथ ही अन्य कई नंबरों की एडवांस में बुकिंग चल रही है। जिनकी कीमत डेढ़ लाख रुपये है।

1.50 लाख में चार पहिया वाहन के नंबर

चार पहिया वाहनों के लिए इन नंबरों का न्यूनतम राशि 1.50 लाख रुपये निर्धारित की गई है। इसमें 0100, 0111, 0200, 0222, 0300, 0400, 0444, 0500, 0555, 0600, 0666, 0700, 0777, 0800, 0888, 0900, 0999, 2000, 2222, 3000, 0333, 4000, 4444, 5000, 5555, 6000, 6666, 7000, 8000, 8888, 9000, 0101, 0108, 1008 और 1313 नंबर शामिल हैं। यदि कोई व्यक्ति दो पहिया वाहनों के लिए कोई इन नंबरों को बुक करना चाहता है तो उसका शुल्क 15 हजार निर्धारित किया गया है। एक नंबर पर एक से अधिक आवेदन आने पर ई-आक्सन होता है।

जिस देवता कि तुम पूजा करते हो
विश्वास करते हो उसके समक्ष यह प्रण करो
अपने लक्ष्य को पाय बिना चुप नहीं बैठेंगे।।
नव वर्ष 2024 की हार्दिक शुभकामनाएं

टैंपल'स ऑफ लिबरलाइजेशन एंड वेलफेयर एलाइड ट्रस्ट
रजिस्टर्ड अंडर सैक्शन 60 विद रजिस्ट्रेशन नंबर (152/02-03-2020), एमएसएमई रजिस्ट्रेशन नंबर उद्यम -डीएल -0026470, नीति आयोग रजिस्ट्रेशन नंबर वीओ/ एनजीओ/0303274/25-01-2022 दर्पण रजिस्टर्ड
कार्यालय :- 3, प्रियदर्शिनी अपार्टमेंट, ए -4 पश्चिम विहार, न्यू दिल्ली 110063, कॉरपोरेट
कार्यालय :- 529, समयपुर, मेंन बवाना रोड, नियर बैंक ऑफ़ बड़ौदा दिल्ली 110042

अगर आप भी है वर्किंग वुमन तो इंवेस्टमेंट की ये तरकीबें आएंगी आपके बहुत ही काम, यहां जानें सारी जरुरी डिटेल

अगर आप वर्किंग वॉमन है और अपने लिए बेस्ट इंवेस्टमेंट ऑप्शन खोज रहे हैं तो हम आपके कुछ ऐसे ऑप्शन लाए है जिसकी मदद से आप अपने लिए सही इंवेस्टमेंट कर सकती हैं। इस लिस्ट में गोल्ड इंवेस्टमेंट म्युअल फंड से लेकर फिक्स्ड डिपॉजिट तक सब तक शामिल है। आज हम आपको बताएंगे कि आप कैसे इंवेस्ट कर सकते है।

भारत में बहुत सी ऐसी महिलाएं है, जो घर से बाहर निकल कर काम करती है। ऐसे में हम अपने काम में इतने महगूल हो जाते हैं कि हमें कभी-कभी ख्याल भी नहीं रहता है कि हम अपने लिए कोई सेविंग नहीं कर पा रहे हैं।

ऐसी स्थिति में इंवेस्मेंट का एक सही विकल्प हमेशा हमारे लिए मददगार साबित हो सकता है। आज हम आपको ऐसे ही कुछ विकल्प के बारे में बताएंगे, जो आपके लिए इंवेस्मेंट का बेस्ट ऑप्शन हो सकते हैं। आइये इनके बारे में जानते हैं।

गोल्ड इंवेस्टमेंट

पुराने समय से ही भारत में महिलाएं सोने में इंवेस्ट करती आ रही है, चाहे वो सोने का गहना हो या सोने की बिस्किट वे इसमें इंवेस्ट करती है।

सबसे अच्छी बात है कि अब गोल्ड में इंवेस्ट करने के बहुत से तरीके हैं, जिसमें गहने, सिक्के, बार, गोल्ड एक्सचेंज-ट्रेडेड फंड, गोल्ड फंड, सॉवरेन गोल्ड बॉन्ड प्रोग्राम आदि शामिल हैं।

म्यूचुअल फंड SIP

अगर आप कम जोखिम के साथ इंवेस्ट करना चाहते हैं तो म्यूचुअल फंड आपके लिए निवेश का सबसे अच्छा तरीका हो सकता है। इसके लिए आपको अपने अनुसार निवेश करना होगा। अपने बजट के अनुसार आप इक्विटी, डेट या हाइब्रिड फंड में निवेश कर सकते हैं।

अगर आप लंबे समय के लिए इंवेस्ट करना चाहते हैं तो बता दें कि SIP आपके लिए बेहतर ऑप्शन है। हम ऐसा इसलिए कह रहे हैं क्योंकि यह किफायती होने के साथ-साथ आसान भी है।

राष्ट्रीय पेंशन योजना

जैसा कि हम जानते हैं कि अब हमें पेंशन नहीं मिलती है, ऐसी स्थिति में भारत सरकार आपको लिए रिटायमेंट के बाद पैसे सुरक्षित रखने का उपाय लेकर आई है।

सरकार ने राष्ट्रीय पेंशन योजना को लॉन्च किया है, जिसकी मदद से आप आसानी से अपने लिए पैसे सुरक्षित कर सकते हैं।

एनपीएस योजना में आप बहुत से सिक्योरिटी प्लान में निवेश कर सकते हैं, जिसमें इक्विटी, कॉर्पोरेट बॉन्ड, लिक्विड फंड, सरकारी बॉन्ड आदि शामिल हैं।

ठंड में अपने बच्चों को रखें स्वस्थ नियमित खिलाएं यह आहार, बाल रोग विशेषज्ञ से लें टिप्स

शिशु रोग विशेषज्ञ डॉ. विनय कुमार बताते हैं कि सर्द हवा के कारण पड़ रही ठंड में बच्चों अधिक बीमार होते हैं. इससे उन्हें बचाने के लिए ताजा फल और गर्म खाना खिलाना चाहिए. साथ ही बच्चों के पूरे शरीर को अच्छे से ढंक कर रखें.

जिले में धीरे-धीरे ठंड अपने चरम की ओर बढ़ रही है. ऐसे मौसम में बच्चों को सबसे अधिक सर्दी-बुखार और कोल्ड डायरिया का खतरा बना रहता है. यही कारण है कि बच्चों के बीमार पड़ने का सभी को डर सताने लगता है. इसे लेकर सदर अस्पताल के शिशु रोग विशेषज्ञ डॉ. विनय कुमार कहते हैं कि जब तेजी से मौसम बदल रहा हो तो वायरल इंफेक्शन बढ़ जाता है. ऐसे में बच्चों की सेहत का खास ध्यान रखना चाहिए. 5 से 13 साल के बच्चों को 9 से 11 घंटे की नींद लेनी चाहिए. अगर पूरी नींद लेंगे तो उनकी इम्युनिटी भी मजबूत बनेगी.

बच्चों के साथ मां भी रखें अपनी सेहत का ख्याल

डॉ. विनय कुमार कहते हैंकि बच्चों को रजाई या गर्म स्थान से अचानक बाहर या ठंडे जगह पर ले जाने से बचना चाहिए. बच्चों के कान, हाथ, पैर सहित शरीर को पूरी तरह से गर्म

कपड़े से ढंक कर रखना चाहिए. बच्चों का तेल मालिश जरूर करें, ताकि उनके शरीर का रोम छिद्र खुला रहे.

बेहद खास है ये ताकत देने वाले काले बीज 'डॉक्टर से जानें कैसे

बेहद खास है ये ताकत देने वाले काले बीज 'डॉक्टर से जानें कैसेआगे देखें...

गर्म एवं ताजा खाने के साथ मौसमी फल खिलाएं. वे बताते हैं कि बच्चे की मां को भी अपनी सेहत का विशेष ख्याल रखना चाहिए. क्योंकि अगर मां बीमार होगी तो बच्चों के सेहत पर भी बुरा असर पड़ेगा. वे बताते हैं कि संक्रमण से लड़ने के लिए पोषक तत्व की जरूरत होती है. ऐसे में 5 साल से बड़े बच्चों को स्वस्थ रखने के लिए नियमित रूप से सब्जी और फल खिलाना चाहिए.

सर्द हवा के कारण 11 डिग्री तक लुढ़का रात का पारा

बीते एक पखवारा में तापमान में 10 डिग्री सेल्सियस की गिरावट आई है. साथ ही तेज पछुआ हवा भी चल रही है. इस कारण शाम ढलते ही कनकनी बढ़ने लगती है. जिले में बीते एक पखवारा के दौरान तापमान अधिकतम 32 से लुढ़क कर 22 एवं न्यूनतम 23 डिग्री से लुढ़क कर 11 डिग्री सेल्सियस पर पहुंच गया है.

इन कारणों से सबसे अधिक परेशानी स्कूली बच्चे, बुजूर्ग, दिहाड़ी मजदूर और कामकाजी लोगों को हो रही है. तापमान में तेजी से हो रही गिरावट के अलावा दिन और रात के तापमान में भारी अंतर आने से लोग बीमार पड़ रहे हैं. इस कारण अस्पतालों में सर्दी-खांसी, कोल्ड डायरिया, बुखार के मरीज बढ़ रहे हैं.

सर्दियों में बच्चों की डाइट में शामिल करें ये 6 सूप, बीमारियां रहेंगी कोसों दूर...

सर्दियों में वायरल फ्लू और इंफेक्शन का खतरा काफी बढ़ जाता है। खासकर जिन लोगों की इम्यूनिटी कमजोर होती है जैसे की बच्चे, उन्हें बीमार होने का खतरा इस मौसम में सबसे ज्यादा रहता है। इसलिए उनका खास ख्याल रखें और डाइट में कुछ ऐसी चीजें शामिल करें जो शरीर को अंदर से स्ट्रांग बनाए। आप उन्हें सूप दे सकती हैं। सूप में कई तरह के पोषक तत्व होते हैं जो शरीर को गर्म रखते हैं और बच्चों के पूर्ण विकास में मददगार होते हैं। आइए आपको बताते हैं 6 तरह के सूप के बारे में जो आपको इन सर्दियों में अपने बच्चों की डाइट में शामिल करना चाहिए...

मशरूम का सूप

मशरूम में एंटी- इंफ्लेमेटरी गुण होते हैं जो कई सारे स्वास्थ्य संबंधी समस्याओं में फायदेमंद है। इसे बनाने के लिए मशरूम के छोटे- छोटे टुकड़ों को पानी में डालकर उबालें। इसमें दूध डालकर कुछ मिनटों तक पकाएं। इसके बाद इसे गर्मा- गर्म बच्चों को परोसें।

ब्रोकोली और बीन सूप

सर्दियों में बच्चों को जुकाम और सर्दी होने का खतरा रहता है। उससे बच्चों को बचाने के लिए ब्रोकली और बीन्स का सूप दे सकते हैं। इसमें थोड़ा दूध और कॉर्नफ्लोर डालकर सूप को गाढ़ा बनाकर दें।

टमाटर- तुलसी का सूप

इसमें मौजूद एंटीऑक्सीडेंट्स इम्यूनिटी को स्ट्रांग बनाते हैं। अगर आपके बच्चे को सर्दी- जुकाम है तो ये सूप पीकर वो जल्दी

ठीक हो जाएंगे।

मिक्स वेजिटेबल सूप

इस सूप में सब्जियों को अच्छी तरह से मिलाएं। फिर, इसमें पानी डालकर कुछ मिनटों के लिए पकाकर नमक और काली मिर्च डालकर बच्चों को दें।

कद्दू का सूप

इस सूप को बनाने के लए तेल में प्याज, लहसुन और अदरक के साथ कद्दू और वेजिटेबल्स डालें। ये सूप सर्दियों में बहुत अच्छा लगता है। इसे पीने से इम्यूनिटी लेवल बढ़ सकता है।

अदरक- लहसुन सूप

सर्दी- जुकाम से छुटकारा पाने और इम्यूनिटी को स्ट्रांग करने के लिए अदरक और लहसुन का सूप बहुत फायदेमंद है। इसमें मौजूद एंटी- बैक्टीरियल और एंटी- ऑक्सीडेंट्स होते हैं जो जुकाम को ठीक करते हैं।

पालक का सूप

ये बॉडी के टॉक्सिन्स को दूर करने में मददगार है। इसमें मौजूद एंटीऑक्सीडेंट्स जैसे न्यूट्रिएंट्स सर्दी- जुकाम से छुटकारा और आंखों की रोशनी बनाए रखने में मदद करते हैं।

नए साल की शुरुआत में कर लें बस ये एक उपाय ,पॉजिटिविटी से भर जाएगा जीवन

बहुत जल्द नया साल दस्तक देने वाला है। सभी लोग बेसब्री से इसका इंतजार कर रहे हैं। बहुत लोग नए साल से जीवन में कुछ नया करने की योजना भी कर रहे हैं। हिंदू धर्म में किसी भी नई चीज की शुरुआत पूजा से की जाती है। वही इस दौरान नए साल पर सुख शांति के लिए लोग तरह- तरह के उपाय करते हैं। ज्योतिष शास्त्र के अनुसार नए साल में ये एक उपाय जरूर करें। इससे आप अपनी तरफ सारी Positive एनर्जी खींच पाएंगे और साल भर सुख-समृद्धि बनी रहेगी...

नए साल में करें ये उपाय

इसके लिए सबसे पहले एक बड़ा सा मिट्टी का दीया लें। उसमें तेज पत्ता (3-4), लौंग, घी, साबुत काली मिर्च और कपूर डालकर जलाएं। अब इसके धुएं से पूरे घर का शुद्धिकरन करें।

नोट- इस उपाय को सुबह 10 :30 बजे से पहले करने की कोशिश करें या फिर सूर्य अस्त के बाद करें।

नए साल में बिल्कुल ना करें ये काम

नए साल के दिन लोगों को सब के साथ प्यार से रहना चाहिए। किसी के साथ लड़ाई- झगड़े से बचना चाहिए, वरना पूरे साल नकारात्मक ऊर्जा रहेगी। नए साल के पहले दिन मां लक्ष्मी की पूजा करें और तामसिक भोजन के सेवन से बचें। इस दिन शराब का सेवन न करें। इस दिन किसी नुकीली या धारादार चीजों का इस्तेमाल न करें। मान्यता है कि साल की शुरुआत इन चीजों से करना बेहद अशुभ होता है।

नए साल के जश्न में डूबी दिल्ली, कड़ी सुरक्षा के बीच सड़कों पर दिखी भीड़; पब-रेस्तरां में भी जुटे लोग

राजधानी दिल्ली में लोगों ने रविवार को नए साल पर जमकर जश्न मनाया। राजधानी की सड़कों पर इस दौरान खूब भीड़ देखी गई। पार्क होटल पब और पर्यटल स्थलों पर लोग खुशियां मनाते देखे गए। इस दौरान सुरक्षा की कड़ी व्यवस्था की गई थी। हुड़दंगियों से निपटने के लिए पुलिस के साथ-साथ अर्द्धसैनिक बलों के जवान जगह-जगह तैनात रहे। इंडिया गेट पर भारी संख्या में लोग खुशियां मनाने पहुंचे।

परिवहन विशेष। न्यूज

नई दिल्ली। नववर्ष के स्वागत के लिए दिल्लीवासियों ने जमकर जश्न मनाया। राजधानी की सड़कों पर इस दौरान खूब भीड़ देखी गई। पार्क, होटल, पब और पर्यटल स्थलों पर लोग खुशियां मनाते देखे गए। इस दौरान सुरक्षा की कड़ी व्यवस्था की गई थी। हुड़दंगियों से निपटने के लिए पुलिस के साथ-साथ अर्द्धसैनिक बलों के जवान जगह-जगह तैनात रहे। कई कपल कनॉट प्लेस पर जश्न मनाते देखे गए।

कनॉट प्लेस में नव वर्ष की पूर्व संध्या पर जश्न मनाने के लिए जुटी लोगों की भीड़। लोग एक-दूसरे को बधाई देते देखे गए।

इंडिया गेट पर नव वर्ष के आगमन पर कुछ इस तरह मस्ती करके लोगों ने नए साल का स्वागत किया।

कनाट प्लेस में नव वर्ष की पूर्व संध्या पर एक रेस्टोरेंट बार में लगी लोगों की भीड़। इस दौरान थोड़ी अव्यवस्था भी फैली।

इंडिया गेट सर्कल पर एनडीएमसी द्वारा फूलों से बनाकर नए वर्ष की शुभकामनाएं संदेश दिया गया। इसके आगे युवाओं में सेल्फी लेने की होड़ लगी रही।

कनॉट प्लेस में नव वर्ष के आगमन पर कुछ इस तरह मस्ती करके नए साल का स्वागत करते लोग।

कनॉट प्लेस में लोगों ने अपने परिवार के साथ पहुंचकर जमकर डांस किया और नए साल का जश्न मनाया।

31 दिसंबर रहा सबसे प्रदूषित, जानिए नए साल के पहले दिन कैसे रहेंगे हालात; कई इलाकों का AQI 400 पार

राजधानी में प्रदूषण के स्तर में आंशिक सुधार हुआ लेकिन यह सुधार इतना ज्यादा नहीं कि लोगों को राहत मिल सके। इस वजह से वर्ष 2013 के अंतिम दिन दिल्ली में हवा की गुणवत्ता बेहद खराब श्रेणी में उच्च स्तर पर बरकरार रही। वहीं दिल्ली के 14 इलाकों में एयर इंडेक्स 400 से अधिक रहा। इससे वर्ष 2023 के आखिरी दिन दिल्ली देश में सबसे अधिक प्रदूषित रही।

नई दिल्ली। राजधानी में प्रदूषण के स्तर में आंशिक सुधार हुआ, लेकिन यह सुधार इतना ज्यादा नहीं कि लोगों को राहत मिल सके। इस वजह से वर्ष 2013 के अंतिम दिन दिल्ली में हवा की गुणवत्ता बेहद खराब श्रेणी में उच्च स्तर पर बरकरार रही।

वहीं दिल्ली के 14 इलाकों में एयर इंडेक्स 400 से अधिक रहा। इससे वर्ष 2023 के आखिरी दिन दिल्ली देश में सबसे अधिक प्रदूषित रही। केंद्रीय प्रदूषण नियंत्रण बोर्ड (सीपीसीबी) के अनुसार पहली जनवरी को भी प्रदूषण से राहत मिलने की संभावना नहीं है। इसलिए हवा की बेहद खराब गुणवत्ता के बीच ही नए वर्ष का आगाज होगा।

सीपीसीबी का कहना है कि स्थानीय मौसमी परिस्थितियों के कारण एक से तीन जनवरी तक दिल्ली में हवा की गुणवत्ता बेहद खराब श्रेणी में बनी रहेगी। नए वर्ष के जश्न के मद्देनजर रविवार रात यदि आतिशबाजी अधिक हुई तो प्रदूषण का स्तर ज्यादा भी बढ़ सकता है।

दिल्ली का एयर इंडेक्स 400 के पार पहुंचा

सीपीसीबी की रिपोर्ट के अनुसार दिल्ली का एयर इंडेक्स 382 रहा, जो बेहद खराब श्रेणी में उच्च स्तर पर है। पिछले दिन दिल्ली का एयर इंडेक्स 400 पहुंच गया था। इसके मुकाबले एयर इंडेक्स में 18 अंकों की कमी आई। लेकिन दिल्ली के 37 प्रदूषण निगरानी केंद्रों में से 14 जगहों पर एयर इंडेक्स 400 से अधिक होने से उन जगहों पर हवा की गुणवत्ता गंभीर श्रेणी में रही।

दिल्ली के ये इलाके रहे सबसे प्रदूषित

मुंडका, पंजाबी बाग, नेहरू नगर, आरके पुरम व द्वारका सेक्टर आठ में प्रदूषण का स्तर सबसे अधिक रहा। सीपीसीबी द्वारा जारी देश के 244 शहरों की एयर क्वालिटी रिपोर्ट के अनुसार दिल्ली में एयर क्वालिटी इंडेक्स सबसे ज्यादा रहा। एनसीआर के प्रमुख शहरों में भी नोएडा व ग्रेटर नोएडा में हवा की गुणवत्ता बेहद खराब श्रेणी में रही। एनसीआर के अन्य प्रमुख शहरों में हवा की गुणवत्ता खराब श्रेणी में रही।

एनसीआर का एयर इंडेक्स

दिल्ली	382
ग्रेटर नोएडा	323
नोएडा	346
फरीदाबाद	285
गाजियाबाद	294
गुरुग्राम	292

दिल्ली में अधिक प्रदूषित जगहों का एयर इंडेक्स

मुंडका	424
पंजाबी बाग	422
नेहरू नगर	422
आरके पुरम	421
द्वारका सेक्टर आठ	418

फिर वही रात वही दिन वही कंझावला है, कितनी मुस्तैद है दिल्ली पुलिस-मृतक अंजलि ने पुकारा है

परिवहन विशेष। एसडी सेठी।

नई दिल्ली। नए साल 2024 के स्वागत के बीच कंझावला, अंजलि की घिसटती बॉडी से बचाओं-बचाओ की खौफनाक चीख का मंजर. पुलिस को बा-खबर कर रहा हैं।

31 दिसंबर की वही रात, वहीं कंझावला का 13 किलोमीटर लंबा दर्दनाक, खौफनाक हादसा हुआ था। 20 वर्षीय अंजलि को कार सवारों ने उसकी स्कूटी में टक्कर मारी और फिर उसकी बॉडी को कार के नीचे फंसने और 13 किमी तक घसीटते रहे। आज भी अंजली की रूह खामोश देश, समाज और सुरक्षा प्रभारियों से एक साल बाद भी न्याय की गुहार लगाकर इंसाफ के लिए भटक रही है।

हालांकि एक साल बीत जाने के बाद दिल्ली पुलिस इतना भर कर पाई है कि सेशन कोर्ट में 800 पन्नों की चार्जशीट पेश कर सकी है। उत्तर पश्चिम जिला की रोहिणी सेशन कोर्ट ने अंजलि की सहेली निधि जो उस रात उसकी स्कूटी पर सवार थी। निधि इस खौफनाक मंजर की चश्मदीद सबसे अहम गवाह है। उसे 13 फरवरी-2024 को बतौर गवाही के लिए तलब किया है। 13 दिसंबर को पहली सुनवाई पर निधि अदालत में पेश नही हुई थी। हालांकि दिल्ली पुलिस ने 1 अप्रैल को सात आरोपियों के खिलाफ 800 पृष्ठ की चार्जशीट अदालत में दायर कर दी थी। इनमें 4 आरोपियों के खिलाफ हत्या का और 2 के खिलाफ मोटर वीकल एक्ट का भी मुकदमा बनाया गया है। बता दें कि 27 जुलाई को कोर्ट ने आरोपी अमित, मिथुन, मनोज, और कृष्ण के खिलाफ हत्या तय करने का आदेश दिया। पुलिस ने करीब 120 गवाहों की सूची भी कोर्ट में पेश की। कोर्ट नेआरोपियों के इस तर्क को ठुकरा दिया कि उन्हें कार के नीचे किसी के फंसे होने के बारे में मालूम नहीं था।और उनकी मंशा किसी की जान लेने की नहीं थी। जबकि 23 अगस्त को आरोपियों के खिलाफ तय किए गए आरोपो से उन्हें अवगत कराया गया। लेकिन सातों आरोपियों में से किसी ने भी अपराध नहीं कबूला। जिसके बाद 21 सितंबर से मुकदमा शुरू करने का निर्देश दिया गया। उल्लेखनीय है कि 31 दिसंबर और 1 जनवरी की सुबह अंजलि की स्कूटी में एक कार ने टक्कर मार दी। टक्कर के बाद उसका शरीर कार के नीचे फंस गया। जो गाडी के साथ-साथ सुल्तानपुरी से कंझावला तक घिसटता रहा। पुलिस को कंझावला-कुतबगढ रोड पर एक मृत युवती अंजलि का शव लगभग नग्न हालत में मिला था। अपराध में शामिल कार लोकेश प्रताप शर्मा के नाम पर दर्ज मिली। लोकेश ने पुलिस को बताया कि उसने कार जीजा आशुतोष को गिफ्ट की थी। आशुतोष के मुताबिक दीपक खन्ना, और अमित खन्ना 31 दिसंबर 2022 की शाम गाडी को ले गए थे।1 जनवरी ,2023 की सुबह 5 बजे एक्सीडेंट की हालत में रोहिणी सेक्टर-1 डी- ब्लाक के डीडीए के खाली प्लाट में छोड गए। पुलिस तमाम रास्ते के सीसीटीवी फुटेज खगालते हुए डी-ब्लाक अवंतिका सेक्टर-1 से कार को बरामद कर लिया।

अंबेडकर अस्पताल की पांचवीं मंजिल में लगी आग, दमकल की आठ गाड़ियों ने पाया काबू

परिवहन विशेष न्यूज

पश्चिमी दिल्ली में रोहिणी के बाबा साहेब अंबेडकर अस्पताल की पांचवीं मंजिल स्थित यूरोलॉजी विभाग में रविवार शाम आग लगने से हड़कंप मच गया। बताया जाता है कि आग बायो वेस्ट में लगी और गनीमत रही कि आग को फैलने से पहले ही नियंत्रित कर लिया गया। आग बुझाने के लिए दमकल विभाग की ब्रंटो समेत आठ गाड़ियां मौके पर पहुंची।

बाहरी दिल्ली। रोहिणी के बाबा साहेब अंबेडकर अस्पताल की पांचवीं मंजिल स्थित यूरोलॉजी विभाग में आग लगने से हड़कंप मच गया। बताया जाता है कि आग बायो वेस्ट में लगी और गनीमत रही कि आग को फैलने से पहले ही नियंत्रित कर लिया गया। आग बुझाने के लिए दमकल विभाग की ब्रंटो समेत आठ गाड़ियां मौके पर पहुंची।

रविवार शाम करीब साढ़े पांच बजे बाबा साहेब अंबेडकर अस्पताल में आग लगने की सूचना दमकल विभाग को मिली। दमकल विभाग ने बताया कि बहुमंजिला इमारतों में आग बुझाने में इस्तेमाल की जाने वाली ब्रंटो गाड़ी समेत आठ वाहनों को अस्पताल भेजा गया।

आग लगने के कारण स्पष्ट नहीं

आग पांचवी मंजिल स्थित यूरोलॉजी विभाग के शौचालय के पास प्राथमिक उपचार के दौरान इस्तेमाल होने वाले बायो वेस्ट में लगी थी। दस मिनट के भीतर आग को बुझा दिया गया। बताया जाता है कि आग की घटना के बाद अस्पताल प्रशासन ने तुरंत एहतियाती कदम उठाते हुए जरूरी चीजों को अस्थायी तौर हटा लिया गया। आग लगने के कारण अभी स्पष्ट नहीं हो पाए हैं।

'बेहतर शिक्षा और मुफ्त इलाज दिया है, तो जेल जाना ही पड़ेगा', राष्ट्रीय कार्यकारिणी की बैठक में केजरीवाल; ED समन पर रहे मौन

आप के राष्ट्रीय संयोजक व मुख्यमंत्री अरविंद केजरीवाल ने रविवार को पार्टी की राष्ट्रीय कार्यकारिणी और राष्ट्रीय परिषद की 12वीं बैठक में कहा कि जनता की भलाई का रास्ता चुना है उसमें जेल तो जाना पड़ेगा। उन्होंने कहा कि आप अगर बच्चों को अच्छी शिक्षा और गरीबों का मुफ्त में इलाज कराओगे तो जेल जाना ही पड़ेगा। इसलिए हमें यह तय करना है कि हमें जेल जाना है या नहीं।

नई दिल्ली। ईडी द्वारा तीन जनवरी को नोटिस कर बुलाए जाने का जिक्र किए बगैर आप के राष्ट्रीय संयोजक व मुख्यमंत्री अरविंद केजरीवाल ने रविवार को पार्टी की राष्ट्रीय कार्यकारिणी और राष्ट्रीय परिषद की 12वीं बैठक में कहा कि जनता की भलाई का रास्ता चुना है, उसमें जेल तो जाना पड़ेगा।

उन्होंने कहा कि आप अगर बच्चों को अच्छी शिक्षा और गरीबों का मुफ्त में इलाज कराओगे तो जेल जाना ही पड़ेगा। इसलिए हम सभी के लिए यह तय करना जरूरी है कि हमें जेल जाना है या नहीं जाना है। अगर जेल जाने के लिए तैयार हैं तो बच्चों को अच्छी शिक्षा देने और गरीबों का मुफ्त इलाज कराने के रास्ते पर चलते रहो। इसके साथ ही केजरीवाल ने साफ कर दिया कि आप INDIA गठबंधन का हिस्सा है, जो भी सीटें मिलेंगी, उन पर आप मजबूती से चुनाव लड़ेगी और सारी सीटें जीतेगी।

केजरीवाल ने कहा कि हमारे देश में करीब 1350 राजनीतिक दल हैं। आप इन 10 वर्षों में इन राजनीतिक दलों में तीसरे स्थान पर आ गई है। अगर हम भी उन 1350 राजनीतिक दलों की तरह कुछ अच्छा नहीं करते तो हमारी पार्टी का कोई नेता जेल नहीं जाता और आज सभी अपने घर-परिवार में खुश होते। केजरीवाल के साथ रविवार को वर्चुअल माध्यम से हुई दोनों बैठकों में देश भर के पार्टी पदाधिकारियों ने हिस्सा लिया, जबकि पंजाब के सीएम भगवंत मान और राष्ट्रीय संगठन महामंत्री डॉ. संदीप पाठक बैठक में मौजूद थे।

'12 साल में हमने अभूतपूर्व सफलता पाई'

इस दौरान केजरीवाल ने कहा कि पिछले 12 साल में आम आदमी पार्टी को अभूतपूर्व सफलता मिली है। हमने वो काम करके दिखाया है, जो 75 साल में भी दूसरी पार्टियां नहीं कर पाईं। पिछले दो साल में पंजाब में किया गया आप सरकार का काम ये दिखाता है कि अगर पूर्ण राज्य में हमारी सरकार हो तो हम बहुत तेजी से काम कर सकते हैं।

'अड़चनों के बावजूद मोहल्ला क्लिनिक खुली'

केजरीवाल ने कहा कि दिल्ली में स्वास्थ्य के क्षेत्र में हमारे काम में एलजी साहब और केंद्र सरकार से काफी अड़चनें लगाई और काफी जद्दोजहद के बाद आज दिल्ली में मोहल्ला क्लीनिक 500 और पंजाब में केवल दो साल में 650 पर काम रही है। 26 जनवरी तक वे 750 होंगे। इसी तरह से पंजाब के 40 बड़े सरकारी अस्पतालों का कायाकल्प किया जा रहा है।

'पंजाब में तीन लाख नौकरियां होंगी पैदा'

उन्होंने कहा कि पंजाब में 20 हजार सरकारी स्कूल हैं और सभी स्कूलों में कुछ न कुछ काम चल रहा है।पंजाब में अब तक 40 हजार सरकारी नौकरी दे चुके हैं और 50 हजार करोड़ का निवेश आ चुका है, इससे तीन लाख नौकरी पैदा होंगी। पंजाब में जल्द ही डोरस्टेप डिलीवरी ऑफ राशन शुरू होगा। केजरीवाल ने कहा कि सीएम भगवंत मान ने तीर्थयात्रियों के लिए चार्टर्ड फ्लाइट बुक की है।

'बाकी नेता हमारी गारंटियां कॉपी कर रहे'

केजरीवाल ने कहा ये लोग हमारी गारंटियां कॉपी कर रहे हैं, लेकिन इसको लागू करने की नीयत कहां से लाएंगे? केजरीवाल ने कहा कि पार्टी का संगठन बनाने के लिए सबको अपने-अपने राज्य में मेहनत करनी पड़ेगी।उन्होंने कहा कि लोकसभा चुनाव में जिन राज्यों में आप लोकसभा चुनाव नहीं लड़ रही होगी, उन राज्यों के पार्टी के वालेंटियर्स जहां चुनाव लड़ेंगे, वहां आकर मदद करेंगे। उन्होंने कहा कि लोकसभा के बाद हरियाणा विधानसभा का चुनाव हमारे लिए सबसे बड़ा चुनाव है।आम आदमी पार्टी सरकार बनाने के इरादे से हरियाणा का विधानसभा का चुनाव लड़ेगी।अक्टूबर-नवंबर में हरियाणा का चुनाव होने की संभावना है।

जेल गए पांचों नेता हमारे हीरोः केजरीवाल

केजरीवाल ने कहा कि ये लोग ऐसे ही इतनी आसानी से सत्ता नहीं छोड़ देंगे। उन्होंने कहा कि हमारे जो पांच नेता जेल में हैं, वो आज हमारे हीरो हैं। हमें उन सभी पर बहुत गर्व है।कहा कि मैं लगातार वकीलों के संपर्क में हूं।यह बहुत ही अच्छी बात है कि जेल में रह रहे हमारे सभी नेताओं ने आज भी हौसले बहुत बुलंद हैं।

एनिमल बनकर बवाल मचाया तो... दिल्ली पुलिस ने फिल्मों के नाम पर दिखाई क्रिएटिविटी, सावधान रहकर नया साल मनाने की दी सलाह

नए साल का पहला दिन नजदीक आने वाला है। लोग नए साल के जश्न में डूब जाएंगे। राजधानी दिल्ली में पुलिस भी सुरक्षा-व्यवस्था को देखते हुए सतर्क हो गई है। पुलिस ने सोशल मीडिया साइट्स एक्स पर एक पोस्ट करते हुए लोगों को सावधान रहकर नए साल का जश्न मनाने को कहा है। 31 दिसंबर की रात को सब जश्न में डूबने वाले हैं।

नई दिल्ली। नए साल का पहला दिन नजदीक आने वाला है। लोग नए साल के जश्न में डूब जाएंगे। राजधानी दिल्ली में पुलिस भी सुरक्षा-व्यवस्था को देखते हुए सतर्क हो गई है। पुलिस ने सोशल मीडिया साइट्स एक्स पर एक पोस्ट करते हुए लोगों को सावधान रहकर नए साल का जश्न मनाने को कहा है। 31 दिसंबर की रात को सब जश्न में डूबने वाले हैं। पुलिस ने फिल्मों के नामों के जरिए क्रिएटिविटी दिखाते हुए लोगों को सावधानी पूर्वक जश्ल मनाने की अपील की है।

रणबीर कपूर की एनिमल से लेकर विक्की कौशल की सैम बहादुर और सिद्धार्थ मल्होत्रा की आगामी वेब सीरीज इंडियन पुलिस फोर्स तक, दिल्ली पुलिस की सोशल मीडिया टीम ने नागरिकों को नए साल की पूर्व संध्या को सुरक्षित रूप से मनाने के तरीके को याद दिलाने के लिए हिंदी फिल्मों और शो के कई शीर्षकों (टाइटल) का इस्तेमाल किया।

पुलिस ने पोस्ट किया, ₹नए साल की पूर्व संध्या पर 'मस्त में रहने का' लेकिन 'जरा हटके जरा बचके'। अगर 'एनिमल' बन कर 'बवाल' या 'नॉन स्टॉप धमाल' मचाया तो कहीं ऐसा न हो कि 2024 का पहला दिन 'द ग्रेट इंडियन फैमिली' के बजाएं 'इंडियन पुलिस फोर्स' के साथ मनाना पड़े।'

इस पोस्ट के जरिए दिल्ली पुलिस संदेश देना चाह रही है कि नए साल की पूर्व संध्या पर मौज-मस्ती करें, लेकिन सावधान रहें। नहीं तो आप 2024 का पहला दिन अपने परिवार के बजाय पुलिस के साथ मना सकते हैं।₹

दिल्ली पुलिस की सोशल मीडिया टीम ने पोस्ट को कैप्शन दिया, ₹सैम बहादुरी इसी में है कि सुरक्षा को भगवान भरोसे मत रखो.. आखिरकार, आप भी किसी का भाई, किसी की जान हो !₹

इस पोस्ट पर कई लोगों ने कमेंट भी किया है। इस पर प्रतिक्रिया देते हुए एक सोशल मीडिया यूजर ने कमेंट किया, ₹हाहाहाहा बिल्कुल फिल्मी। एक दूसरे शख्स ने लिखा, ₹बहुत रचनात्मक (क्रिएटिव)।

कड़ाके की सर्दी के साथ होगी नए साल की शुरुआत

सोकर उठेंगे तो घरों के बाहर दिखेगा घना कोहरा

परिवहन विशेष न्यूज

औद्योगिक नगरी में नव वर्ष पर प्रदूषण स्तर कम होने की उम्मीद नहीं है। अगर नव वर्ष की रात ज्यादा आतिशबाजी हुई तो यह गंभीर श्रेणी में भी जा सकता है। हवा की धीमी रफ्तार के कारण अगले चार दिनों तक प्रदूषण बेहद खराब श्रेणी के ऊपरी हिस्से में बना रहेगा। हवा की रफ्तार थमने तापमान में कमी और घना कोहरा प्रदूषण बढ़ने के कारण हैं।

नोएडा। कोहरे और सर्द हवाओं के बाद रविवार को लगातार तीसरे दिन कोल्ड डे (ठंडे दिन) की स्थिति रही। लोग सोकर उठे तो घरों के बाहर कोहरा था, न्यूनतम दृश्यता भी कम थी।

दफ्तर, फैक्ट्री, दुकान, जाने के लिए निकले घरों से निकले लोग गर्म कपड़ों में लिपटे नजर आए। निकले लोगों ने ठंड महसूस की। सड़क किनारे लोग जगह-जगह अलाव जलाते नजर आए।

घरों में मौजूद लोगों भी ठंड से बचने के लिए हीटर से चिपके रहे। अधिकतम तापमान 18 व न्यूनतम तापमान 10 डिग्री सेल्सियस रहा। सुबह घने कोहरे के कारण शहर में सड़क मार्ग पर यातायात सेवाएं प्रभावित हुईं। दोपहर 11 बजे के बाद कोहरा कुछ कम हुआ।

एक्सप्रेस-वे समेत शहर की अंदरूनी सड़कों पर न्यूनतम दृश्यता कम रहने से लोगों को अपने वाहनों की लाइट जलाकर चलानी पड़ी। इससे पहले शनिवार को घने कोहरे में सबसे कम दृश्यता 150 मीटर रही। न्यूनतम दृश्यता कम रहने से वाहन चालकों को परेशानी हो सकती है।

सुबह 12 बजे तक सूरज के दर्शन नहीं हुए। सर्दी से बचने के लिए लोग जरूरी काम से बाहर निकले। हालांकि स्कूलों में अवकाश रहने के कारण अभिभावकों ने राहत की सांस ली। भारतीय मौसम विज्ञान (आइएमडी) का कहना है कि रविवार को शीत लहर चलने की संभावना है। सुबह के समय घना कोहरा रहेगा।

नव वर्ष की शुरुआत कड़ाके की सर्दी के साथ होगी। पुछले चार दिन से औद्योगिक नगरी में बर्फीली हवा चल रही है। उत्तर-पश्चिम दिशा से आ रही हवा के चलते अधिकतम तापमान में कमी आई है।

बीते 24 घंटे में अधिकतम तापमान में लगभग तीन डिग्री की गिरावट दर्ज की गई है। वहीं सुबह के समय मध्यम श्रेणी से लेकर घना कोहरा हो सकता है। खराब मौसम की आगामी स्थिति को बताने के लिए मौसम विभाग की ओर से येलो अलर्ट जारी किया है। एक जनवरी की सुबह मध्यम श्रेणी से लेकर घना कोहरा रहने की संभावना है।

नोएडा की हवा बहुत खराब श्रेणी में बरकरार

नोएडा का एयर क्वालिटी इंडेक्स (एक्यूआइ) 322 के साथ बहुत खराब श्रेणी में दर्ज किया गया। ग्रेटर नोएडा का एयर क्वालिटी इंडेक्स (274) के साथ खराब श्रेणी में दर्ज किया गया। बढ़ते ठंड के कारण बढ़ रहे वायु प्रदूषण से लोगों को परेशानी हो रही है।

खासतौर से लोगों को सांस लेने में तकलीफ हो रही है। अस्थमा और हृदय रोगियों को परेशानी बढ़ी है। ग्रेटर नोएडा के नालेज पार्क-3 में एक्यूआइ 238 के साथ खराब श्रेणी में दर्ज किया गया। नालेज पार्क-5 में 311 के साथ बहुत खराब श्रेणी में दर्ज किया गया। वहीं नोएडा में सेक्टर-62 का एक्यूआइ 348 के साथ बहुत खराब, सेक्टर-125 का एक्यूआइ 263 के साथ खराब, सेक्टर-1 का एक्यूआइ 343 के साथ बहुत खराब, सेक्टर-116 का एक्यूआइ-334 दर्ज किया गया।

नव वर्ष पर प्रदूषण स्तर कम होने की उम्मीद नहीं

औद्योगिक नगरी में नव वर्ष पर प्रदूषण स्तर कम होने की उम्मीद नहीं है। अगर नव वर्ष की रात ज्यादा आतिशबाजी हुई तो यह गंभीर श्रेणी में भी जा सकता है। हवा की धीमी रफ्तार के कारण अगले चार दिनों तक प्रदूषण बेहद खराब श्रेणी के ऊपरी हिस्से में बना रहेगा।

हवा की रफ्तार थमने, तापमान में कमी और घना कोहरा प्रदूषण बढ़ने के कारण हैं। हवा की रफ्तार थमने के चलते प्रदूषण के लिए जिम्मेदार कणों का बिखराव नहीं हो पा रहा है, जिससे प्रदूषण की परत बनी हुई है। औद्योगिक नगरी में फिलहाल न तो हवा की रफ्तार बढ़ने वाली है और ना ही वर्षा होने वाली है। ऐसे में प्रदूषण कम होने की संभावना बेहद कम है।

नोएडा-गाजियाबाद में पुलिस की गश्त, वाहन \चालकों का ब्रीथ एनालाइजर टेस्ट; वर्दी पर लगी इस खास डिवाइस से नहीं बचेंगे आप

नए वर्ष की पूर्व संध्या पर रविवार को नोएडा और गाजियाबाद में सुरक्षा–व्यवस्था कड़ी कर दी गई है। पुलिस अधिकारी गश्त कर रहे हैं। पुलिस वाहन चालकों का ब्रीथ एनलाइजर टेस्ट भी कर रही है। नोएडा में रविवार को कोतवाली पुलिस की कई टीम बाडी वार्न कैमरा से लैस होकर शराब पीकर हुड़दंग करने वालों पर निगरानी रखने के लिए क्षेत्र में रवाना हुई।

नोएडा। नए वर्ष की पूर्व संध्या पर रविवार को नोएडा और गाजियाबाद में सुरक्षा-व्यवस्था कड़ी कर दी गई है। पुलिस अधिकारी गश्त कर रहे हैं। पुलिस वाहन चालकों का ब्रीथ एनलाइजर टेस्ट भी कर रही है। नोएडा में रविवार को कोतवाली पुलिस की कई टीम बाडी वार्न कैमरा से लैस होकर शराब पीकर हुड़दंग करने वालों पर निगरानी रखने के लिए क्षेत्र में रवाना हुई। हरियाणा बॉर्डर सहित कस्बे व आस पास के क्षेत्र में निगरानी की गई।

कोतवाली प्रभारी मनोज सिंह चौहान ने बताया कि नव वर्ष के मौके पर शराब पीकर हुड़दंग करने वालों पर निगाह रखने और कार्रवाई करने के लिए पुलिस कर्मियों को बाडी वार्न कैमरा से लैस कर चेकिंग के लिए रवाना किया गया। कस्बे के मुख्य चौराहे, सभी मुख्य मार्गों पर पुलिस टीमों को तैनात किया गया है। पुलिस टीम नव वर्ष की रात को गश्त करेगी। जो भी शराब पीकर हुड़दंग करता हुआ पाया गया। उसपर सख्त कार्रवाई की जाएगी। इसके साथ ही सभी जगह अवैध शराब तस्करों पर भी निगाह रखी गई है।

गाजियाबाद में 19 स्थान चिह्नित

रविवार को नववर्ष की पूर्व संध्या पर होने वाले कार्यक्रमों और प्रमुख स्थानों को लेकर गाजियाबाद ट्रैफिक पुलिस ने एडवाइजरी जारी की है। शहर में यातायात पुलिस ने भीड़भाड़ वाले 19 स्थान चिह्नित किए हैं। इनमें पैसेफिक मॉल, शाप्रिक्स मॉल, महागुन मॉल, हैबीटेट सेंटर, शिप्रा मॉल, जयपुरिया मॉल, कंट्री इन होटल, रेडीसन ब्लू होटल, वर्ल्ड स्क्वायर माल, करहेड़ा कट के पास स्थित कई रेस्टोरेंट, आप्यूलेंट मॉल, सिल्वर सिटी, आंबेडकर रोड, गौर मॉल, केडब्लयू-छह मॉल, वीवीआइपी मॉल, जीएनबी मॉल और हवा हवाई रेस्टोरेंट चिह्नित किए गए हैं।

हुड़दंग करने वालों पर होगी कार्रवाई

एलिवेटेड रोड, दिल्ली-मेरठ एक्सप्रेस वे, ईस्टर्न पेरिफेरल एक्सप्रेस वे पर वाहन खड़ा करने, स्टंट करने, उत्सव मनाने, सेल्फी लेने, केक काटने और इंटरनेट मीडिया के लिए वीडियो बनाने पर रोक जारी है। हुड़दंग करने वालों पर पुलिस कार्रवाई करेगी।

लिव-इन में 12 साल से रह रहे थे कपल, डॉक्यूमेंट्स में पति-पत्नी बताया; अब शख्स ने महिला के 39 लाख रुपये लूटे

गाजियाबाद जिले के क्रॉसिंग रिपब्लिक थानाक्षेत्र की रहने वाली महिला ने अपने लिव–इन पार्टनर रहे व्यक्ति पर 39 लाख रुपये लेने का आरोप लगाया है। पुलिस को दी शिकायत में महिला ने बताया कि उनकी मुलाकात 12 वर्ष पहले लालकुआं निवासी अशोक कुमार से हुई थी। दोनों आपसी सहमति से एकसाथ रहने लगे। महिला ने अपने पहचान पत्रों में अशोक को ही पति के रुप में दर्ज कराया।

गाजियाबाद। जिले के क्रॉसिंग रिपब्लिक थानाक्षेत्र की रहने वाली महिला ने अपने लिव-इन पार्टनर रहे व्यक्ति पर 39 लाख रुपये लेने का आरोप लगाया है। महिला का कहना है कि रुपये मांगने पर उनके साथ मारपीट की गई।

पुलिस को दी शिकायत में महिला ने बताया कि उनकी मुलाकात 12 वर्ष पहले लालकुआं निवासी अशोक कुमार से हुई थी। दोनों आपसी सहमति से एकसाथ रहने लगे। महिला ने अपने पहचान पत्रों में अशोक को ही पति के रुप में दर्ज कराया।

महिला आरोपी से अलग रहने लगी

महिला का कहना है कि आरोपित ने उनके बैंक खाते से 14 लाख रुपये निकाल लिए और 25 लाख रुपये नकद ले लिए। उन्होंने जब विरोध किया तो उनके साथ मारपीट की गई। इसके बाद महिला आरोपित से अलग रहने लगी। पीड़ित की शिकायत पर पुलिस ने आरोपित पर केस दर्ज कर लिया है।

मौके पर पहुंची पुलिस को देख तीन ट्रैक्टर और एक जेसीबी छोड़कर भागे आरोपित

डूब क्षेत्र में चल रहे क्रेशर, प्रधान समेत पांच पर एफआईआर दर्ज

परिवहन विशेष न्यूज

यमुना के डूब क्षेत्र में अवैध रूप से संचालित किए जा रहे क्रेशर के मामले में पुलिस ने कार्रवाई की है। आरोपित ग्राम असगरपुर के सामने भी यमुना तटवर्ती बंद वह डूब क्षेत्र में चलाए जा रहे क्रेशर द्वारा धुलाई कर गंदा पानी यमुना नदी में डाल रहे हैं। कोतवाली प्रभारी का कहना है इस मामले में आरोप पत्र न्यायालय में दाखिल कर दिया है। मामला न्यायालय में विचाराधीन है।

नोएडा। कोतवाली सेक्टर-126 क्षेत्र में यमुना के डूब क्षेत्र में अवैध रूप से संचालित किए जा रहे क्रेशर के मामले में पुलिस ने कार्रवाई की है। गांव असगरपुर में पत्थर की पिसाई कर गंदे पानी को यमुना में फेंकने के मामले में पुलिस ने पाला प्रधान समेत पांच लोगों के खिलाफ मुकदमा दर्ज किया है।

पुलिस ने मौके से तीन ट्रैक्टर और एक जेसीबी कब्जे में ली है। पुलिस आरोपितों की तलाश कर रही है।उपनिरीक्षक राजेश कुमार ने दर्ज कराई एफआइआर में बताया कि 30 दिसंबर को साथी उपनिरीक्षक छत्रपाल सिंह के साथ कोतवाली क्षेत्र में असगरपुर पुस्ता पर चेकिंग कर रहे थे। इसी दौरान सूचना मिली कि यमुना पुस्ता के नीचे गांव असगरपुर के पाला प्रधान के खेत में पुस्ता में अवैध तरीके से यमुना नदी के मध्य डूब क्षेत्र में रोड़ी, बदरपुर, पत्थर आदि की क्रैसर द्वारा पिसाई और धुलाई की जा रही है।

मुखबिर द्वारा बताए स्थान पर दी दबिश

इससे निकलने वाला गंदा पानी यमुना नदी में डाला जा रहा है। यही नहीं यह कार्य अवैध रूप से किया जा रहा है। सूचना पर पीसीआर 23 पर तैनात उपनिरीक्षक शैलेंद्र कुमार, कांस्टेबल भूपेंद्र कुमार को मौके पर बुलाया गया। जिसके बाद नेशनल ग्रीन ट्रिब्यूनल के आदेश के क्रम में अधिकारियों के दिशा-निर्देशन में मुखबिर द्वारा बताए स्थान पर दबिश दी। जिस पर पता चला कि मौके पर पत्थर व बदरपुर का भंडारण किया गया है।

पुलिस टीम को देखकर लोग भाग खड़े हुए। कुछ लोग ट्रैक्टर चालक व जेसीबी चालक मौके से झाड़ियों एवं ऊंचे-नीचे रास्ते का फायदा उठाकर भाग गए। पुलिस टीम ने मौके से तीन ट्रैक्टर, एक जेसीबी को कब्जे में ले लिया।

पुलिस को जानकारी में पता चला कि ट्रैक्टर और जेसीबी पाला प्रधान, जयकिशन की हैं। इसमें सत्यवीर और दो अन्य लोग भी शामिल हैं। सभी लोग मिलकर काम करते हैं। इसके साथ ही पुलिस ने खनन विभाग समेत संबंधित अन्य विभागों को सूचना दी है।

छह माह पहले सींचपाल ने दर्ज कराई थी एफआइआर

हेड वर्क्स खंड आगरा नहर ओखला के सींचपाल सुभाष चंद्र ने 14 जुलाई को इसी कोतवाली एफआइआर दर्ज कराई थी। जिसमें उन्होंने बताया था कि यमुना मार्जिनल तटबंध के ग्राम नौरंगाबाद खादर के डूब क्षेत्र में कुछ लोगों द्वारा अवैध रूप से रोड़ी बदरपुर पत्थर आदि की क्रेशर द्वारा पिसाई एवं धुलाई का कार्य किया जा रहा है।

आरोपित ग्राम असगरपुर के सामने भी यमुना तटवर्ती बंद वह डूब क्षेत्र में चलाए जा रहे क्रेशर द्वारा धुलाई कर गंदा पानी यमुना नदी में डाल रहे हैं। कोतवाली प्रभारी का कहना है इस मामले में आरोप पत्र न्यायालय में दाखिल कर दिया है। मामला न्यायालय में विचाराधीन है।

डॉक्टर को हनीट्रैप में फंसाकर साढ़े 11 लाख रुपये लूटने वाली महिला सहित दो गिरफ्तार

गाजियाबाद के सरकारी त्वचा रोग विशेषज्ञ को हनीट्रैप में फंसाकर 11 लाख 50 हजार रुपये वसूलने वाली महिला और उसके साथी को साहिबाबाद पुलिस ने गिरफ्तार कर लिया है। पुलिस फरार दो अन्य आरोपितों की भी तलाश कर रही है। सहायक पुलिस आयुक्त साहिबाबाद रजनीश कुमार उपाध्याय ने बताया कि पकड़े गए आरोपी भाई बहन हैं। वहीं दोनों फरार आरोपित इनके दोस्त हैं।

गाजियाबाद। सरकारी त्वचा रोग विशेषज्ञ को हनीट्रैप में फंसाकर 11 लाख 50 हजार रुपये वसूलने वाली महिला और उसके साथी को साहिबाबाद पुलिस ने गिरफ्तार कर लिया है। पुलिस फरार दो अन्य आरोपितों की भी तलाश कर रही है। सहायक पुलिस आयुक्त साहिबाबाद रजनीश कुमार उपाध्याय ने बताया कि पकड़े गए आरोपी भाई बहन हैं। वहीं दोनों फरार आरोपित इनके दोस्त हैं। पुलिस दोनों की तलाश कर रही है। बतादें कि डाक्टर की ओर से साहिबाबाद कोतवाली में रिपोर्ट दर्ज कराई गई थी। इसमें बताया गया था कि अस्पताल में त्वचा रोग का इलाज कराने आई महिला को परामर्श के बाद दवाई दी थी। कुछ दिनों बाद नींद ज्यादा आने पर महिला की दवाई बंद कर दी। महिला उनके मोबाइल पर अश्लील संदेश भेजने लगी। उनसे नजदीकियां बढ़ाकर आपत्तिजनक वीडियो व फोटो खींच लिए।

महिला ने अश्लील फोटो लेकर किया ब्लैकमेल

महिला ने अश्लील फोटो प्रसारित कर बदनाम करने की बात कहकर ब्लैकमेल किया। कई बार में 11 लाख 50 हजार रुपये ऐठ लिए। इसके बाद भी ब्लैकमेल कर रुपयों की डिमांड कर रही थी। मिलने के लिए साहिबाबाद क्षेत्र में बुलाया था। डाक्टर ने गिरोह से परेशान होकर आत्महत्या करने की चेतावनी दी थी। साहिबाबाद कोतवाली पुलिस रिपोर्ट दर्ज कर उनकी तलाश कर रही थी।

भारत के लिए वर्ष 2024 भी सुनहरा वर्ष साबित होने जा रहा है

प्रह्लाद सबनानी

अंतरराष्ट्रीय मुद्रा कोष ने अभी हाल ही में एक प्रतिवेदन जारी किया है। इसमें भारत के प्रति मुख्य रूप से तीन बातें कही गई हैं। प्रथम, भारत आज विश्व में सबसे तेज गति से आगे बढ़ने वाली अर्थव्यवस्था है। दूसरे, भारत का सकल घरेलू उत्पाद 6.3 प्रतिशत की वृद्धि दर हासिल करेगा।

विश्व के कुछ देश वर्ष 2024 में मंदी की मार झेल सकते हैं, यह कुछ अंतरराष्ट्रीय वित्तीय संस्थानों का आंकलन है। परंतु, वैश्विक स्तर पर अर्थव्यस्था के गिरने की सम्भावनाओं के बीच एक देश ऐसा भी है, जिस पर समस्त अंतरराष्ट्रीय वित्तीय संस्थानों, विशेष रूप से अंतरराष्ट्रीय मुद्रा कोष एवं विश्व बैंक, की नजरें टिकी है, वह है भारत। भारतीय अर्थव्यवस्था के प्रति समस्त विदेशी वित्तीय संस्थान आशावान हैं कि वैश्विक अर्थव्यवस्था को अब भारत ही सहारा देने की क्षमता रखता है।

अंतरराष्ट्रीय मुद्रा कोष ने अभी हाल ही में एक प्रतिवेदन जारी किया है। इसमें भारत के प्रति मुख्य रूप से तीन बातें कही गई हैं। प्रथम, भारत आज विश्व में सबसे तेज गति से आगे बढ़ने वाली अर्थव्यवस्था है। दूसरे, भारत का सकल घरेलू उत्पाद 6.3 प्रतिशत की वृद्धि दर हासिल करेगा। तीसरे, वर्ष 2024 में वैश्विक स्तर पर सकल घरेलू उत्पाद में भारत का योगदान 16 प्रतिशत का रहने वाला है। भारत आने वाले समय में पूरे विश्व की अर्थव्यवस्था के विकास में एक इंजिन के रूप में अपना योगदान देने को तैयार है।

भारत ने वर्ष 2023 में विश्व में कम होती विकास दर के बीच भी आकर्षक विकास दर हासिल की है। क्योंकि, भारत सरकार ने पिछले कुछ वर्षों में, विशेष रूप से आर्थिक क्षेत्र में, लगातार कई बड़े फैसले लिए हैं, जिनका प्रभाव अब भारतीय अर्थव्यवस्था पर स्पष्ट रूप से दिखाई देने लगा है। एक तो भारत ने आर्थिक व्यवहारों का डिजिटलीकरण किया है और इस क्षेत्र में पूरे विश्व को ही राह दिखाई है, इससे आर्थिक व्यवहारों की न केवल निपुणता बढ़ी है बल्कि लागत भी बहुत कम हुई है। दूसरे, केंद्र सरकार ने देश में आधारभूत संरचना को विकसित करने के लिए भारी भरकम राशि का पूंजीगत खर्च किया है। वित्तीय वर्ष 2022-23 में 7.50 लाख करोड़ रुपए की राशि इस मद पर खर्च की गई थी एवं वित्तीय वर्ष 2023-24 में 10 लाख करोड़ रुपए की राशि इस मद पर खर्च की जा रही है। भारत में सड़क, रेल्वे एवं स्वास्थ्य सेवाओं के विकास पर 12,000 करोड़ अमेरिकी डॉलर का पूंजीगत खर्च आगे आने वाले समय में किये जाने की योजना बनाई गई है। वर्ष 2017 से 2023 के बीच आधारभूत संरचना के विकास हेतु 70 लाख करोड़ रुपए की राशि का पूंजीगत खर्च किया गया था परंतु वर्ष 2024 से 2030 के बीच 143 लाख करोड़ रुपए की राशि का पूंजीगत खर्च किए जाने की योजना बनाई जा रही है। तीसरे, भारत में केंद्र सरकार ने गरीबी रेखा के नीचे जीवन यापन करने वाले नागरिकों को कई योजनाओं के माध्यम से आर्थिक सहायता प्रदान करने की भरपूर कोशिश की है, जिसका परिणाम इस वर्ग की संख्या में भारी भरकम कमी के रूप में देखने को मिला है। और फिर, अब तो यह वर्ग मध्यम वर्ग की श्रेणी में शामिल होकर भारत में उत्पादों की मांग में वृद्धि करने में सहायक की भूमिका निभा रहा है, जिससे देश में ही विभिन्न वस्तुओं के उत्पादन में भारी वृद्धि हो रही है।

इसी प्रकार, विश्व के सबसे बड़े ऑफिस काम्प्लेक्स का निर्माण भारत में गुजरात राज्य के सूरत शहर में किया गया है। इस ऑफिस काम्प्लेक्स में 4,500 से अधिक हीरा व्यवसाईयों के कार्यालय स्थापित किए गए हैं। इस काम्प्लेक्स में कच्चे हीरे के व्यापारियों से लेकर पोलिश हीरे की बिक्री करने वाली कम्पनियों के ऑफिस एक ही जगह पर स्थापित किए जाएंगे। सूरत डायमंड बोर्स बिल्डिंग के नाम से इस काम्प्लेक्स, जो 67 लाख वर्गफुट से अधिक के क्षेत्र में फैला है, का उद्घाटन दिसम्बर 2024 माह में भारत के प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी जी द्वारा सम्पन्न हुआ है। यह काम्प्लेक्स अमेरिका के रक्षा विभाग पेंटागन के मुख्यालय भवन से भी बड़ा है, पेंटागन के मुख्यालय को आज तक विश्व में सबसे बड़ा भवन माना जाता रहा है। इस तरह के कई व्यावसायिक केंद्र भारत में विकसित हो रहे हैं।

विश्व के अन्य देश मुद्रा स्फीति की समस्या से पिछले कुछ वर्षों से लगातार जूझते रहे हैं परंतु भारत ने इस समस्या पर भी नियंत्रण प्राप्त करने में सफलता हासिल की है। जुलाई 2023 में भारत में खुदरा महंगाई की दर 7.44 प्रतिशत थी जो अक्टोबर 2023 में घटकर 4.87 प्रतिशत पर नीचे आ गई है। अब तो शीघ्र ही भारतीय रिजर्व बैंक रेपो दर में कमी की घोषणा कर सकता है जिससे देश में ब्याज की दरें कम होना शुरू होंगी इससे निश्चित रूप से अर्थव्यवस्था में और अधिक तेजी की सम्भावना बनेगी।

आगे आने वाले समय में भारतीय अर्थव्यवस्था को यदि किसी परेशानी का सामना करना पड़ता है तो वह आंतरिक समस्या न होकर वैश्विक स्तर की समस्या के कारण होगी। क्योंकि, कुछ देशों, विकसित देशों सहित में मंदी की सम्भावनाएं बन रही हैं। दूसरे, रूस यूक्रेन युद्ध, हम्मास इजराईल युद्ध, चीन का अपने पड़ौसी देशों से टेंशन, यूरोपीयन देशों के आपसी झगड़े, कुछ ऐसे बिंदु हैं जो भारत की विकास दर को विपरीत रूप से प्रभावित कर सकते हैं। यदि इन्हीं समस्त कारणों से कुछ विकसित देशों की अर्थव्यवस्थाएं प्रभावित होती हैं तो भारत से विभिन्न उत्पादों का निर्यात भी कम होगा, आयात होने वाली वस्तुओं की लागत बढ़ेगी, इस प्रकार की समस्याएं खड़ी हो सकती हैं जो भारत को भी आने वाले समय में परेशान करें। दूसरे, कुछ प्राकृतिक कारण भी जैसे मानसून का उचित समय पर नहीं आना अथवा कम बारिश होना, जैसी कुछ समस्याएं भी भारतीय अर्थव्यवस्था के लिए परेशानी का कारण बन सकती हैं। अन्यथा पिछले लगभग 10 वर्ष का समय भारतीय अर्थव्यवस्था के लिए स्वर्णिम काल कहा जाना चाहिए और आगे आने वाले कुछ वर्षों में भारतीय अर्थव्यवस्था नई ऊचाईयों को छूने के लिए तैयार है। उदाहरण के लिए यह इतिहास में पहली बार होने जा रहा है कि भारतीय शेयर बाजार वर्ष 2016 से लेकर वर्ष 2023 तक लगातार 8 वर्षों तक निवेशकों को लाभ की स्थिति प्रदान करता रहा है। दूसरे, अमेरिकी वित्तीय संस्था लीहमन ब्रदर्स के वर्ष 2008 में टूटने के बाद भारत का निफ्टी एवं चीन का शंघाई शेयर बाजार 3000 के अंकों पर थे, परंतु आज भारत का निफ्टी 21800 अंकों के ऊपर पहुंच गया है और चीन का शंघाई शेयर बाजार अभी भी 3000 अंकों पर ही बरकरार है। लगभग समस्त देशों के निवेशक आज भारतीय शेयर बाजार के प्रति अत्यधिक भरोसा जताए हुए हैं और आज भारत का विदेशी मुद्रा भंडार 60,000 करोड़ अमेरिकी डॉलर के स्तर को पार कर गया है।

सेवा निवृत्त उप महाप्रबंधक, भारतीय स्टेट बैंक

भारतीय बाजार में जल्द लॉन्च होगी Mercedes Benz Gls Facelift, जानें इसमें क्या कुछ होगा खास

कंपनी 8 जनवरी 2024 को अपनी लग्जरी GLS फेसलिफ्ट SUV को लॉन्च करने वाली है। इस फेसलिफ्ट मॉडल का लुक और इंटीरियर दोनों ही दमदार है। इस 7 सीटर एसयूवी में कैटलाना ब्राउन और ब्राउन थीम वाले अपहोल्स्ट्री का ऑप्शन देगी। इस कार की कीमत लगभग 1.5 करोड़ रुपये हो सकती है।पीछे की ओर टेललैंप में 3 हॉरिजॉन्टल ब्लॉक पैटर्न मिलता है।

,नई दिल्ली। बस अब कुछ ही दिनों में ये साल बीत ही जाने वाला है। नए साल में मर्सिडीज एक बड़ा धमाका करने वाली है। कंपनी 8 जनवरी, 2024 को अपनी लग्जरी GLS फेसलिफ्ट SUV को लॉन्च करने वाली है। इस फेसलिफ्ट मॉडल का लुक और इंटीरियर दोनों ही दमदार है। इस 7 सीटर एसयूवी में कैटलाना ब्राउन और ब्राउन थीम वाले अपहोल्स्ट्री का ऑप्शन देगी। इस कार की कीमत लगभग 1.5 करोड़ रुपये हो सकती है।

टेललैंप में 3 हॉरिजॉन्टल ब्लॉक पैटर्न मिलता है

नई मर्सिडीज बेंज GLS में मौजूदा मॉडल की तुलना में स्टाइलिंग में मामूली बदलाव किए गए हैं। इसके ग्रिल में 4 हॉरिजॉन्टल लावर्स को सिल्वर शैडो फिनिश दी गई है। कार में फ्रंट बंपर हाई -ग्लोस ब्लैक सराउंड के साथ एयर इनलेट ग्रिल्स मिलता है। पीछे की ओर टेललैंप में 3 हॉरिजॉन्टल ब्लॉक पैटर्न मिलता है। हेडलैंप को नया एलईडी पैटर्न दिया गया है।

फेसलिफ्टेड GLS में अपडेट इंफोटेनमेंट मिलेगा

नई फेसलिफ्टेड GLS में अपडेटेड इंफोटेनमेंट मिलेगा, जो 3 अलग-अलग डिस्प्ले मोड- क्लासिक, स्पोर्टी और डिस्क्रीट के साथ MBUX का लेटेस्ट वर्जन मिलता है। इस लग्जरी कार में नया 'ऑफ-रोड' मोड को जोड़ा गया है।

मौजूदा 3.0-लीटर, डीजल इंजन मिल सकता है

इस कार में ऑफ -रोड स्थितिय पर चलने के लिए कंपनी का सिग्नेचर पारदर्शी बोनट होगा। इस कार में मौजूदा 3.0-लीटर, डीजल इंजन के साथ पेश किया जा सकता है।

मारुति की इन कारों को खरीदने से पहले यहां देखें वेटिंग पीरियड, Brezza, Fronx और Grand Vitara तक शामिल

Maruti Brezza waiting period फ्रोंक्स को कंपनी ने इसी साल लॉन्च किया था जबकि ग्रैंड विटारा को बीते साल ही लॉन्च किया गया था। वहीं ब्रेजा को पहली बार साल 2016 में लॉन्च किया गया था और बीते साल इसका फेसलिफ्ट वर्जन लॉन्च किया गया था।प्रोडक्शन बढ़ाने से मारुति को ग्रैंड विटारा और ब्रेजा का वेटिंग पीरियड कम करने के लिए मदद मिलेगी।

नई दिल्ली। भारतीय बाजार में मारुति सबसे अधिक कारों की सेल करने वाली कंपनी में से एक है। इस साल मारुति ने अपनी कई कारें लॉन्च की है। ब्रेजा, फ्रोंक्स और ग्रैंड विटारा इन दिनों मारुति की सबसे अधिक बिकने वाली कार में से एक है। फ्रोंक्स को कंपनी ने इसी साल लॉन्च किया था जबकि ग्रैंड विटारा को बीते साल ही लॉन्च किया गया था। वहीं ब्रेजा को पहली बार साल 2016 में लॉन्च किया गया था और बीते साल इसका फेसलिफ्ट वर्जन लॉन्च किया गया था। इन तीनों को लोगों द्वारा काफी अधिक पसंद किया गया है। बढ़ती डिमांड के कारण इस कार की वेटिंग पीरियड बढ़ गया है।

ग्रैंड विटारा का वेटिंग पीरियड 5 महीने से घटाकर 2.5 महीने का रह गया है

प्रोडक्शन बढ़ाने से मारुति को ग्रैंड विटारा और ब्रेजा का वेटिंग पीरियड कम करने के लिए मदद मिलेगी। ग्रैंड विटारा का वेटिंग पीरियड 5 महीने से घटाकर 2.5 महीने का रह गया है। वहीं ब्रेजा का वेटिंग पीरियड 1 महीने का हो गया है जो कि पहले 4.5 महीने तक था। वहीं मारुति फ्रोंक्स के लिए इस कार का वेटिंग पीरियड 3.5 महीने तक का हो गया है। ब्रेजा की हर महीने लगभग 14 हजार से अधिक यूनिट सेल हो रही है। ग्रैंड विटारी की लगभग 11,000 से 12,000 यूनिट सेल हो रही हैं। इसके अलावा , फ्रोंक्स की हर महीने औसतन 13,500 यूनिट सेल हो रही है। जिम्नी की हर महीने 4 हजार से 5 हजार यूनिट सेल हो रही है। इस महीने कंपनी की एसयूवी सेगमेंट में 22.5 प्रतिशत की मार्केट में हिस्सेदारी है।

Brezza, Fronx और Grand Vitara की कीमतें

भारतीय बााजर में ब्रेजा की कीमत 8.29 लाख रुपये से 14.14 लाख रुपये (एक्स-शोरूम, दिल्ली) तक है। वहीं फ्रोंक्स की कीमत 7.46 लाख रुपये से लेकर 13.14 लाख रुपये तक है। ग्रैंड विटारा की कीमत 10.70 लाख रुपये से 19.99 लाख रुपये एक्स शोरूम कीमत है।

440cc इंजन के साथ Hero लेकर आने वाली है दमदार बाइक, देखें क्या दिए जाएंगे फीचर्स

यह साल ऑटो इंडस्ट्री के लिए शानदार रहा है। कंपनियां अगले साल भी खूब वाहन लॉन्च करेंगी तो हीरो मोटोकॉर्प नए साल की शुरुआत धमाकेदार अंदाज में करने की कोशिश करेगा। रिपोर्ट्स में कहा जा रहा कि हीरो इन दिनों एक बाइक पर काम कर रही है। जिसे अगले साल पेश किया जाएगा। आइए इसके बारे में जान लेते हैं।

नई दिल्ली। साल 2024 में वाहन निर्माता कंपनियां शानदार अंदाज में एंट्री करने की कोशिश करेंगी। वहीं हीरो मोटोकॉर्प नए साल की शुरुआत धमाकेदार अंदाज में करने की कोशिश करेगा। बता दें, इस वर्ष दोपहिया वाहन निर्माता के साथ साझेदारी में हार्ले-डेविडसन ने X440 रोडस्टर बाइक को लॉन्च किया था। अब ऐसे में ग्राहक इस साल भी इनसे अच्छी उम्मीद बैठे हैं।

पेश की जाएगी नई बाइक

रिपोर्ट्स में कहा जा रहा कि जनवरी महीने में हीरो के द्वारा 440 सीसी मोटरसाइकिल को पेश किया जाएगा। इस वर्ष हीरो और हार्ले डेविडसन इंडिया की साझेदारी के तहत Harley Davidson X440 को पेश किया गया था। इस बाइक को ग्राहकों ने खूब प्यार दिया था।

ऐसे में कयास लगाए जा रहे हैं कि इन दोनों की साझेदारी में आने वाले साल भी 440 सीसी इंजन के साथ एक नई बाइक ग्राहकों को देखने को मिल सकती है।

खबरों में कहा जा रहा है कि कंपनी निकट भविष्य में अपने प्रमुख एडवेंचर टूरर और फेयर्ड सुपरस्पोर्ट के लिए एक नया 420 सीसी लिक्विड-कूल्ड इंजन पेश करेगी। वर्तमान समय में हीरो के पास तीन इंजन लाइन-अप मौजूद हैं और इन्हीं में से एक लाइन-अप पर ये आधारित बाइक जनवरी 2024 में देखने को मिल सकती है।

कैसा मिलेगा इंजन?

कहा जा रहा है कि आगामी मोटरसाइकिल में 440 सीसी का एयर कूल्ड सिंगल सिलेंडर प्रदान किया जाएगा, जो 27 बीएचपी की अधिकमत शक्ति 6,000 आरपीएम पर और 4,000 आरपीएम पर 38 एनएम का पीक टॉर्क पैदा करने में सक्षम होगा। उम्मीद है इसमें 6 स्पीड ट्रांसमिशन दिया जाएगा। हीरो की आगामी बाइक में 3.5 इंच का टीएफटी डिस्प्ले और ब्लूटूथ कनेक्टिविटी फीचर मिलने की संभावना है।

अपडेटेड 2024 बजाज चेतक इलेक्ट्रिक स्कूटर में क्या कुछ हो सकता है खास, यहां पढ़ें डिटेल्स

बजाज ऑटो जल्द ही अपने अपडेटेड चेतक इलेक्ट्रिक स्कूटर को नए साल पर पेश करने के लिए पूरी तरह से तैयार है।नया इलेक्ट्रिक स्कूटर नए स्टाइल और मैकेनिज्म के साथ आ सकता है।लीक हुई डिटेल्स के मुताबिक 2024 में बजाज चेतक अर्बन और प्रीमियम वेरिएंट के बीच एक दमदार अपडेट के साथ आएगी। इस इलेक्ट्रिक स्कूटर को एक बार चार्ज करने पर 127 किमी तक की रेंज मिल सकती है।

नई दिल्ली। भारतीय बाजार में बजाज ऑटो जल्द ही अपने अपडेटेड चेतक इलेक्ट्रिक स्कूटर को नए साल पर पेश करने के लिए पूरी तरह से तैयार है। यह नया इलेक्ट्रिक स्कूटर नए स्टाइल और मैकेनिज्म के साथ आ सकता है। चलिए आपको इसके बारे में और भी डिटेल से बताते हैं।

2024 बजाज चेतक

लीक हुई डिटेल्स के मुताबिक 2024 में बजाज चेतक अर्बन और प्रीमियम वेरिएंट के बीच एक दमदार अपडेट के साथ आएगी। इस इलेक्ट्रिक स्कूटर को एक बार चार्ज करने पर 127 किमी तक की रेंज मिल सकती है। इसके साथ ही इसमें एक बड़ा 3.2 kwh का बैटरी पैक मिलता है। इसकी बैटरी चार्ज होने में 4 घंटे 30 मिनट का समय लगाती है।

2024 बजाज चेतक फीचर्स

2024 बजाज चेतक का नया मॉडल 73 किमी. प्रति घंटे की हाई स्पीड दे सकता है। इसमें, अपडेटेड नई TFT स्क्रीन होगी, जो वर्तमान में मॉडल पर देखी जाने वाली गोल LCD यूनिट की जगह लेगी। इसके साथ ही इसमें टर्न-बाय-टर्न नेविगेशन, टायर प्रेशर मॉनिटरिंग सिस्टम (TPMS), रिमोट लॉक/अनलॉक, ब्लूटूथ कनेक्टिविटी फीचर्स देखने को मिल सकते हैं। इसके साथ ही इसमें 21 लीटर का बूट स्पेस मिलता है।

2024 बजाज चेतक का मुकाबला

बजाज चेतक ऑल मेटर बॉडी वाला एकमात्र इलेक्ट्रिक स्कूटर है। इसकी ब्रिकी भी काफी अधिक होती है। इसे पहली बार 2020 में लॉन्च किया गया था। बजाज कई समय से अपने इलेक्ट्रिक स्कूटर को अपडेट कर रहा है। लेकिन इस बदलाव में यूटिलिटी में कई बदलाव आ सकता है। वाहन निर्माता कंपनी इसको अपडेट करेगी तो इसकी कीमत में भी काफी उछाल देखने को मिलेगा। अपग्रेड के बाद इस स्कूटर का मुकाबला TVS iQube, एथर 450X, सिंपल वन, ओला S1 प्रो से होगा।

कम कीमत में आती है ये ऑटोमेटिक कारें, कीमत 5.90 लाख रुपये से शुरू

आज हम आपके लिए मार्केट में मौजूद सस्ती ऑटोमेटिक कारों की लिस्ट लेकर आए हैं।मारुति सुजुकी भारतीय बाजार में सबसे अधिक कारों की सेल करने वाली कंपनी में से एक है। ये एक पॉपुलर हैचबैक कार है। इसमें 1.5 लीटर पेट्रोल इंजन मिलता है।इस कार की एक्स शोरुम कीमत 5 .61 लाख रुपये है वहीं इसके टॉप वेरिएंट की कीमत 5 .90 लाख रुपये तक जाती है।

नई दिल्ली। भारतीय बाजार में कई दमदार कारें मौजूद है। आज के समय में ऑटोमेटिक कारों की डिमांड काफी तेजी से बढ़ते जा रही है। क्या आप भी अपने लिए एक नई ऑटोमेटिक कार खरीदने की प्लानिंग कर रहे हैं तो आज हम आपके लिए मार्केट में मौजूद सस्ती ऑटोमेटिक कारों की लिस्ट लेकर आए हैं।

Maruti Suzuki Alto K10

मारुति सुजुकी भारतीय बाजार में सबसे अधिक कारों की सेल करने वाली कंपनी में से एक है। ये एक पॉपुलर हैचबैक कार है। इसमें 1.5 लीटर पेट्रोल इंजन मिलता है। इसके साथ ही इसमें ऑटोमैटिक गियरबॉक्स का ऑप्शन मिलता है। इस कार की एक्स शोरुम कीमत 5.61 लाख रुपये है वहीं इसके टॉप वेरिएंट की कीमत 5.90 लाख रुपये तक जाती है।

Renault Kwid

ये मार्केट में सबसे सस्ती ऑटोमैटिक ट्रांसमिशन के साथ आने वाली कार है। इस कार को सबसे अधिक इसके कीमत, डिजाइन, फीचर्स और माइलेज के लिए पसंद किया जाता है। इसमें 999cc का इंजन 1.0 लीटर का पेट्रोल इंजन मिलता है। इस कार की शुरुआती कीमत 6.12 लाख रुपये है और इसके टॉप वेरिएंट की कीमत 6.39 लाख रुपये तक जाती है।

Maruti Suzuki WagonR

WagonR भारतीय बाजार में सबसे अधिक सेल होती है। ये कंपनी की बेस्ट सेलिंग कार है। इसको कीमत और माइलेज के कारण अधिक पसंद किया जाता है। इस कार में कुल दो वेरिएंट वीएक्सआई और जेडएक्सआई में मिलता है। इस कार की शुरुआती कीमत 7 लाख रुपये है।

Tata Tiago

टाटा मार्केट में सबसे अधिक कारों की सेल करती है। टाटा की सबसे अधिक बिकने वाली कार में से एक टियागो है। इस कार में 1.2 लीटर का पेट्रोल इंजन मिलता है। इसके साथ ही इसमें एएमटी गियरबॉक्स का ऑप्शन भी मिलता है। इस कार की एक्स शोरूम कीमत 6.94 लाख रुपये से शुरू है।

Maruti Suzuki Celerio

देश में सस्ती ऑटोमैटिक कार की लिस्ट में मारुति सुजुकी सेलेरियो शामिल है। इसमें 998cc का इंजन मिलता है। इसमें ऑटोमैटिक ट्रांसमिशन का ऑप्शन मिलता है। इस कार की शुरूआती कीमत 6.38 लाख रुपये (एक्स शोरूम) है।

कट्टरपंथी मुस्लिम शरणार्थियों से यूरोप में बढ़ी मुसीबतें

योगेंद्र योगी

पोलैंड का यह दृष्टिकोण फ्रांस और दूसरे देशों में सही साबित हुआ। एक मुस्लिम की युवक की मौत के बाद फ्रांस में जबरदस्त दंगे भड़क उठे। ट्रैफिक पुलिस द्वारा पेरिस में चेकिंग के दौरान नाहेल को पुलिस ने गोली मार दी थी। इस घटना में नाहेल की मौत हो गई थी।

यूरोपीय यूनियन के सदस्य देश लोकतांत्रिक, मानवाधिकारों की वकालत और उदारवादी चेहरा दिखाने के कारण मुस्लिम शरणार्थियों के कारण मुसीबत में फंस गए हैं। शरण लेने वाले मुस्लिम शरणार्थियों पर कट्टरपन हावी है। इन देशों के कानून मानने के बजाए शरणार्थी अपराधों में शामिल होने के साथ ही इस्लामी शासन की पैरवी कर रहे हैं। यही वजह है कि न सिर्फ युरोपीय यूनियन बल्कि उसके कुछ देशों ने साफ तौर पर मुसलमानों से देश छोड़ कर चले जाने को कहा है। इटली की प्रधानमंत्री जियोर्जिया मेलोनी ने इस्लामिक संस्कृति को लेकर कहा कि यूरोप में इसके लिए कोई जगह नहीं है। उन्होंने कहा कि इस्लामी संस्कृति और हमारी सभ्यता के मूल्यों और अधिकारों के बीच कोई समानता नहीं है और यह एक बड़ी समस्या है। उन्होंने कहा कि इटली में इस्लामी सांस्कृतिक केंद्रों को सऊदी अरब फंड देता है, जहां शरिया लागू है। यूरोप में हमारी सभ्यता के मूल्यों से बहुत दूर इस्लामीकरण की एक प्रक्रिया चल रही है। इसी तरह ब्रिटिश प्रधानमंत्री ऋषि सुनक ने कहा कि वह शरणार्थी सिस्टम में ग्लोबर रिफॉर्म पर जोर देंगे। साथ ही उन्होंने यह भी चेतावनी दी कि शरणार्थियों की बढ़ती संख्या का खतरा यूरोप के कुछ हिस्सों को प्रभावित कर सकता है।

मेलोनी की तरह ही नीदरलैंड का प्रधानमंत्री बनते ही इस्लाम विरोधी नेता गीर्ट विल्डर्स ने उन मुसलमानों से देश छोडऩे का आह्वान किया कि जो धर्मनिरपेक्ष कानूनों से अधिक कुरान को महत्व देते हैं। विल्डर्स ने तो यहां तक कह दिया कि हिन्दुओं का समर्थन करूंगा जिन पर केवल हिंदू होने के कारण बांग्लादेश, पाकिस्तान में हमला किया जाता है या मारने की धमकी दी जाती है या फिर मुकदमा चलाया जाता है। उन्होंने कहा कि मेरे पास नीदरलैंड के सभी मुसलमानों के लिए एक संदेश है जो हमारी स्वतंत्रता, हमारे लोकतंत्र और हमारे मूल मूल्यों का सम्मान नहीं करते हैं, जो कुरान के नियमों को हमारे धर्मनिरपेक्ष कानूनों से अधिक महत्वपूर्ण मानते हैं। विल्डर्स ने कहा कि मुसलमानों की संख्या 7 लाख हैं और मेरा उन्हें संदेश है, बाहर निकलो। किसी इस्लामिक देश के लिए निकल जाओ। फिर, आप इस्लामी नियमों का आनंद ले सकते हैं। ये उनके नियम हैं, लेकिन हमारे नहीं हैं। शरणार्थियों की समस्या से गले तक भर चुके यूरोपीय देशों ने अब इस समस्या के समाधान के लिए नया समझौता किया है।

यूरोपीय संघ और सदस्य देशों ने प्रवासन और प्रश्रय पर नए समझौते के जरिए अपनी प्रवासन नीति में सुधार करने का फैसला किया है। इसके तहत अनियमित रूप से आ रहे लोगों की त्वरित जाँच, सीमा पर डिटेंशन सेंटर बनाना और आवेदन अस्वीकृत होने पर शरणार्थियों को देश से बाहर करना आदि सुधार के रूप में शामिल है। हालाँकि अभी भी 27 सदस्य देशों का प्रतिनिधित्व करने वाली यूरोपीय परिषद और यूरोपीय संसद द्वारा औपचारिक रूप से समझौते को मंजूरी देने की आवश्यकता है। जिसके बाद ही यह संभवतः वर्ष 2024 में ब्लॉक की कानूनी प्रक्रियाओं में शामिल हो पाएगा। गौरतलब है कि साल 2011 में सीरिया में शुरू हुए गृहयुद्ध के बाद लाखों सीरियाई और पड़ोसी मुल्कों से लोग भागकर यूरोप की शरण में आए थे। तभी यूरोपियन यूनियन ने वादा किया कि वो अपने देशों में लगभग 2 लाख रिफ्यूजियों को रखेगा। ग्रीस, इटली और फ्रांस में उस समय सबसे ज्यादा लोग भरे हुए थे। बाकी देश भी लोगों को स्वीकार करने लगे। इसके विपरीत पोलैंड की सरकार ने कहा था कि शरणार्थियों को रखना यानी अपनी ही तबाही के लिए बम फिट कर लेना है।

यूरोपीय संघ और सदस्य देशों ने प्रवासन और प्रश्रय पर नए समझौते के जरिए अपनी प्रवासन नीति में सुधार करने का फैसला किया है। इसके तहत अनियमित रूप से आ रहे लोगों की त्वरित जाँच, सीमा पर डिटेंशन सेंटर बनाना और आवेदन अस्वीकृत होने पर शरणार्थियों को देश से बाहर करना आदि सुधार के रूप में शामिल है। हालाँकि अभी भी 27 सदस्य देशों का प्रतिनिधित्व करने वाली यूरोपीय परिषद और यूरोपीय संसद द्वारा औपचारिक रूप से समझौते को मंजूरी देने की आवश्यकता है। जिसके बाद ही यह संभवतः वर्ष 2024 में ब्लॉक की कानूनी प्रक्रियाओं में शामिल हो पाएगा।

पोलैंड का यह दृष्टिकोण फ्रांस और दूसरे देशों में सही साबित हुआ। एक मुस्लिम की युवक की मौत के बाद फ्रांस में जबरदस्त दंगे भड़क उठे। ट्रैफिक पुलिस द्वारा पेरिस में चेकिंग के दौरान नाहेल को पुलिस ने गोली मार दी थी। इस घटना में नाहेल की मौत हो गई थी। पुलिसकर्मियों का इस मामले पर कहना था कि लड़के के पास गाड़ी चलाने का लाइसेंस नहीं था। चेकिंग के दौरान लड़के ने वाहन से ट्रैफिक पुलिस को कुचलने का प्रयास किया जिसके बचाव में लड़के को गोली मारी गई। इससे भड़की हिंसा की आग में फ्रांस कई दिनों तक जलता रहा। यूरोपियन इस्लामोफोबिया रिपोर्ट 2022 के मुताबिक पूरे यूरोप में इस्लाम के खिलाफ भावना तेजी से बढ़ रही है। यूरोपीय सरकारें इस्लाम और मुस्लिमों के खिलाफ क्रैकडाउन चला रहीं हैं। मस्जिदें बंद की जा रहीं हैं। इस्लामिक संगठनों पर नकेल कसी जा रही है। फ्रांस और ऑस्ट्रिया की सरकारों ने कट्टरवाद के खिलाफ अभियान के बहाने मस्जिदें बंद करवा दीं। स्विट्जरलैंड में नई मीनारों के निर्माण पर रोक लगा दी गई। डेनमार्क में अप्रवासी मुस्लिमों को हर हफ्ते 35 घंटे सिर्फ देश की संस्कृति और परंपराएं सिखाई जातीं हैं। ऑस्ट्रिया और फ्रांस में इस्लामिक अलगाववाद और पॉलिटिकल इस्लाम को परिभाषित किए बिना ही इन्हें राष्ट्रीय सुरक्षा के लिए खतरा बता दिया गया है। धार्मिक कट्टरपन और दूसरे देशों के कानून को नहीं मानने के कारण आने वाले वक्त में मुसलमानों को ज्यादा मुश्किलों का सामना करना पड़ेगा।

संपादक की कलम से

स्वदेशी के मंत्र ने भारत के आर्थिक विकास को नये पंख लगा दिये हैं

भारतीय अर्थव्यवस्था विश्व में सबसे अधिक तेज गति से आगे बढ़ती अर्थव्यवस्था बन गई है। वित्तमंत्री निर्मला सीतारमण ने इंडो-पैसिफिक क्षेत्रीय वार्ता को संबोधित करते हुए सतत विकास के प्रति देश की प्रतिबद्धता पर बल दिया। वैश्विक अनिश्चितताओं के बीच भारतीय अर्थव्यवस्था के लचीलेपन को रेखांकित करते हुए उन्होंने भविष्यवाणी की कि 2027 तक भारत जापान और जर्मनी को पीछे छोड़कर दुनिया की तीसरी सबसे बड़ी अर्थव्यवस्था बन जाएगा। भारत के आर्थिक विकास में प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी का वॉकल फोर लॉकल का आह्वान आर्थिक विकास आधार बन रहा है। स्व-भाव एवं स्वदेशी के मंत्र ने आर्थिक विकास को पंख लगाये हैं जिससे अर्थ की गाड़ी तेज रफ्तार से दौड़ने लगी है। भारत की आर्थिक तरक्की दुनिया को स्तंभित करने लगी है, क्योंकि भारत का घरेलू बाजार ही इतना विशाल है कि भारत को विदेशी व्यापार पर बहुत अधिक निर्भरता नहीं करनी पड़ रही है। भारत के बाजार से कई देशों का आर्थिक विकास होता रहा है, अब स्वदेश जागरण से देश का अर्थ देश में ही रहने लगा है।

चीन की अर्थव्यवस्था सबसे तेज गति से दौड़ी थी और चीन के आर्थिक विकास में विदेशी व्यापार का सर्वाधिक योगदान था परंतु आज भारत की आर्थिक प्रगति में घरेलू कारकों एवं मोदी सरकार की आर्थिक नीतियों का प्रमुख योगदान है। वैश्विक प्रतिकूल परिस्थितियों के बावजूद, भारत की आर्थिक वृद्धि केवल 7 प्रतिशत से कम होने का अनुमान है, जो प्रमुख अर्थव्यवस्थाओं में सबसे अधिक है। सकल घरेलू उत्पाद 5 ट्रिलियन अमरीकी डालर को पार कर जाएगा। भारत की 'नीली अर्थव्यवस्था' का सकल घरेलू उत्पाद में लगभग 4 प्रतिशत का योगदान है, जो अवसरों के सागर का प्रतिनिधित्व करता है। तट के किनारे नौ राज्यों और चार केंद्र शासित प्रदेशों, 12 प्रमुख और 200 से अधिक गैर-प्रमुख बंदरगाहों और नौगम्य जलमार्गों के व्यापक नेटवर्क के साथ, भारत महासागर आधारित व्यापार में एक प्रमुख खिलाड़ी के रूप में खड़ा है।

भारत के आर्थिक विकास में प्रधानमंत्री की नित-नयी आर्थिक योजनाओं, अपनी जड़ों एवं माटी से जुड़ने, स्वदेशी अपनाने की प्रेरणा एवं विदेश यात्राओं का भी योगदान है। भारत-मध्य पूर्व-यूरोप कनेक्टिविटी कॉरिडोर (आईएमईसी) सबसे आशाजनक कनेक्टिविटी परियोजनाओं में से एक है। 18वें जी-20 शिखर सम्मेलन में हस्ताक्षरित, आईएमईसी एक मल्टीमॉडल आर्थिक गलियारा है जिसमें शिपिंग, रेलवे, रोडवेज, बिजली केबल, हाई-स्पीड डेटा केबल और एक हाइड्रोजन पाइपलाइन शामिल है। गलियारे का उद्देश्य परिवहन दक्षता को बढ़ाना, रसद लागत को कम करना, आर्थिक एकता को बढ़ावा देना, रोजगार उत्पन्न करना और ग्रीनहाउस गैस उत्सर्जन को कम करके एक स्वच्छ, सुरक्षित दुनिया में योगदान देना है। भारत चीन से भी आगे निकलकर विश्व में सबसे अधिक आबादी वाला देश बन चुका है, बड़ी आबादी को आर्थिक विकास का माध्यम बनाने में सरकार की सूझबूझ एवं योजनाएं कारगर साबित हो रही है। बड़ी आबादी के अनेक तरह के नुकसान हैं तो इसी से भारत में उत्पादों का उपभोग तेजी से बढ़ रहा है। इस तरह भारत न केवल उत्पादों के उपभोग का प्रमुख केंद्र बन बन रहा है बल्कि विश्व के लिए एक विनिर्माण केंद्र के रूप में भी उभर रहा है। सूचना प्रौद्योगिकी के क्षेत्र में भारत पूर्व में ही वैश्विक स्तर पर सबसे बड़े केंद्र के रूप में विकसित हो चुका है। भारतीय अर्थव्यवस्था का आकार वर्तमान स्तर 3.50 लाख करोड़ अमेरिकी डॉलर से बढ़कर वर्ष 2031 तक 7.5 लाख करोड़ अमेरिकी डॉलर के स्तर पर पहुंच जाएगा और इस प्रकार भारतीय अर्थव्यवस्था अमेरिका एवं चीन के बाद विश्व की तीसरी सबसे बड़ी अर्थव्यवस्था बन जाएगी।

राय

दिल्ली समीक्षा से अपेक्षा

आगामी लोकसभा चुनाव की करवटों के बीच दिल्ली में कांग्रेस की मंत्रणा का सबूत बनकर हिमाचल से 33 नेताओं का जत्था, किस नए शपथपत्र पर हस्ताक्षर करेगा, यह देखना होगा। गिन कर केवल तीन राज्यों में अपनी सरकार चलाने वाली कांग्रेस के लिए चुनावी तस्वीर के कई पहलू हैं, जबकि इसके गणित में हिमाचल की गारंटियां भी गिनी जाएंगी। एक साल की सत्ता को लोकसभा जीत का परिणाम चाहिए तो सामने भाजपा की हर चाल से मुकाबला करने का संगठन और कार्यकर्ताओं का वजन चाहिए। दिल्ली गए तैंतीस नेता, अपने-अपने आश्वासन से कांग्रेस का सीना फुला सकते हैं, लेकिन इधर हिमाचल की पसलियों का दर्द न पार्टी और न ही सरकार ठीक से जानती है। यह नया दौर है जहां कांग्रेस को अपने नेतृत्व की कसौटी पर चार लोकसभा सीटों पर आधिपत्य स्थापित करना है। भाजपा से छीनी गई मंडी लोकसभा सीट पर वर्तमान सांसद प्रतिभा सिंह की सियासी प्रतिभा का मुआयना होगा, तो कांगड़ा, हमीरपुर व शिमला में मुख्यमंत्री और सरकार के गठन को साबित करना है कि क्यों किसी संसदीय क्षेत्र से पांच, किसी से तीन और किसी से दो मंत्री चुने गए। इस तरह लोकसभा चुनाव की सबसे ताकतवर पिच शिमला होनी चाहिए जहां से आधा मंत्रिमंडल अपनी हैसियत का लोहा मनवा रहा है। हमीरपुर का ताज पहने स्वयं मुख्यमंत्री, उप मुख्यमंत्री तथा अभी-अभी शरीक किए गए बिलासपुर से राजेश धर्माणी का वर्चस्व देखा जाएगा। कांगड़ा अभी आहों के सफर पर पहले ही वरिष्ठ नेताओं को उदास कर चुका है, तो मंत्रिमंडल की रिक्तता में नेताओं की पद लालसा और महत्त्वाकांक्षा से चुनाव की महत्त्वाकांक्षा कितनी जुड़ती है, देखना होगा। दिल्ली की समीक्षा में अब तक असफल रहे सुधीर शर्मा और राजेंद्र राणा से यह अपेक्षा है कि ये दोनों नेता अपनी वरिष्ठता के आधार पर चुनावी नैया के पतवार थामें।

संगठन और सरकार के सामने समन्वय के प्रश्न उठते रहे हैं, तो चुनावी मौसम में न जाने संतुलन के किस आधार पर कांग्रेस को मतदाता से अपना सियासी हक मांगना है। कम से कम भाजपा की तैयारियों, नेताओं की होशियारियों और संगठन की क्यारियों के जोश का मुकाबला करने के लिए कांग्रेस को अन्त्य परीक्षण व परीक्षा की जरूरत दिखाई देती है। कांग्रेस का जत्था दिल्ली से शुभ संकेत पाना चाहता है, इसलिए घर की बुनियाद पर बड़े नेताओं का पलस्तर खोजा जा रहा है, जबकि भाजपा अपनी दिल्ली की राह को प्रदेश में खोज रही है। भाजपा ने बतौर संगठन जो कुछ हिमाचल में बटोरा है, उसके विपरीत कांग्रेस का आशियाना खामोश है। भाजपा केंद्र सरकार के प्रदर्शन पर एक ओर मोदीत्व को आगे बढ़ा रही है, जबकि दूसरी ओर अयोध्या में राम मंदिर के उद्घाटन का महोत्सव बांट रही है। बहरहाल हिमाचल कांग्रेस का कुनबा दिल्ली दरबार में शरणागत है। देखना यह है कि पार्टी अपनी चिंताओं, भीतरी घावों, सरकार की चुनौतियों-गारंटियों तथा विक्षुब्ध नेताओं की खामोशियों को कैसे साधती है। चुनावी जीत की मंशा, मंतव्य और मंत्रणा के बीच पार्टी के लिए उम्मीदवारों को चिन्हित करने की कवायद के ऊंट किस करवट बैठते हैं, यह माथापच्ची का विषय है। दूसरी ओर विधानसभा चुनाव के उत्साह, समीकरण और संस्करण को लोकसभा के राष्ट्रीय परिप्रेक्ष्य में जिंदा रखने की जरूरत है। बेशक राहुल गांधी अब राष्ट्रीय न्याय यात्रा के पदचिन्हों को चुनाव तक ले जाने की दिशा में खड़े हैं, लेकिन इधर हिमाचल में मंत्रिमंडल गठन की न्याय यात्रा अधूरी है। क्या अब भी कांगड़ा को कुछ कोस की यात्रा करने का अवसर मिलेगा या उच्छृंखल माहौल की तपती जमीन पर कुछ नेताओं का आक्रोश आगामी चुनाव से इबारत छीन लेगा। जाहिर तौर पर हिमाचल कांग्रेस और कांग्रेस सरकार के बीच कुछ दूरियां रही हैं और अगर इन्हें दिल्ली के भरोसे लगातार लटकाया जाता रहा, तो चुनाव की दीवारों पर गलत संदेश पढने को मिल सकते हैं।

ललित गर्ग

बीते वर्ष में आत्मनिर्भर बनने के संकल्प के पथ पर भारत ने नई रेखाएं खींची

आत्मनिर्भर बनने के संकल्प के पथ पर दौड़ रहे भारत ने हर क्षेत्र में स्वदेशी का लोहा मनवाया है। हमने युद्धपोत और हल्के लड़ाकू विमान से लेकर घातक ड्रोन तक बनाया है। देश में इस्तेमाल होने वाले 99 प्रतिशत मोबाइल हम खुद बना रहे हैं।

बीते वर्ष में सकारात्मकता की नयी तस्वीरें सामने आयी। ज्यादातर बड़ी सकारात्मक खबरें आर्थिक उपलब्धियों और नये राजनीतिक समीकरणों से जुड़ी हैं। साल के अंत में हुए विधानसभा चुनावों, महिला सशक्तीकरण, सांस्कृतिक पुनर्जागरण, नए संसद भवन के उद्घाटन, हर क्षेत्र में स्वदेशी की शक्ति और संसदीय-राजनीति, सुप्रीम कोर्ट के कुछ बड़े फैसलों, चंद्रयान-3 और आदित्य एल-1 मिशन जैसी वैज्ञानिक उपलब्धियां निराशा से ज्यादा आशाभरी खबरों ने आजादी के अमृतकाल में वास्तविक रूप में अमृतमय होने के संकेत दिये हैं। भारत की दिशा एवं दशा बदल रही है। बीते वर्ष में राजनीति से लेकर सामाजिक, आर्थिक से लेकर खेल तक, सुरक्षा से लेकर सौहार्द तक अनेक सकारात्मक दृष्टिकोण ने सबका साथ-सबका विकास-सबका विश्वास को बल दिया है। चीन के हैंगजाऊ में हुए एशियाई खेलों में कई प्रकार के रिकॉर्ड तोड़ते हुए भारतीय खिलाड़ियों ने खेल की दुनिया में बड़ा कदम रखा। उनकी सबसे बड़ी उपलब्धि है पदक तालिका में 'सौ से अधिक पदक' प्राप्त करना करना। यह उपलब्धि देश के आकार को देखते हुए पर्याप्त नहीं है, पर पिछले प्रदर्शनों से इसकी तुलना करें, तो बहुत बड़ी है। यह भारत के विकसित होते बदलते सामाजिक-आर्थिक स्तर को भी रेखांकित कर रही है। शेयर मार्केट तमाम कयासों को झुठलाते हुए उच्चस्तर पर बना हुआ है। जीडीपी में बढ़ोतरी हो रही है, साथ ही जीएसटी कलेक्शन भी बढ़ा हुआ है। देश का विदेशी मुद्रा भंडार 15 दिसंबर को समाप्त हुए सप्ताह में 20 माह के उच्चतम स्तर 616 अरब डॉलर हो गया है। 25 मार्च, 2022 के बाद का यह उच्चतम स्तर है।

आत्मनिर्भर बनने के संकल्प के पथ पर दौड़ रहे भारत ने हर क्षेत्र में स्वदेशी का लोहा मनवाया है। हमने युद्धपोत और हल्के लड़ाकू विमान से लेकर घातक ड्रोन तक बनाया है। देश में इस्तेमाल होने वाले 99 प्रतिशत मोबाइल हम खुद बना रहे हैं। अपने बूत चांद के दक्षिणी ध्रुव पर उतरकर भारत ने पूरी दुनिया को चौंकाया है। 85 से अधिक देशों को भारत स्वदेशी हथियार, उपकरण, ड्रोन, कलपुर्जे निर्यात कर रहा है। रक्षा उत्पादों में हम आत्मनिर्भर बन रहे हैं। रक्षा उत्पादों के निर्यात में वर्ष 2013-14 की तुलना में 23 प्रतिशत बढ़ोतरी दर्ज की गयी है। प्रसिद्ध लोकोक्ति है कि अपनी बुद्धि से साधु होना अच्छा, पराई बुद्धि से राजा होना अच्छा नहीं। लेकिन हम अपनी बुद्धि, कौशल एवं तकनीक से राजा बन रहे हैं।

वर्ष 2023 महिलाओं की दृष्टि से ऐतिहासिक रहा। खेल, राजनीति, विज्ञान, व्यापार जैसे क्षेत्रों में महिलाओं ने खूब नाम कमाए हैं। देश में सावित्री जिन्दल का नाम सबसे धनाढ्य महिलाओं में सामने आया, इसी तरह अनेक महिलाएं आर्थिक क्षेत्र में नये कीर्तिमान गढ़ रही है। इस वर्ष में महिला सशक्तीकरण का बिगुल तब बजा जब सितंबर माह में 'नारी शक्ति वंदन अधिनियम' का उद्घोष हुआ। संसद में केंद्र सरकार ने लोकसभा और विधानसभाओं में महिलाओं के लिए 33 प्रतिशत सीटें आरक्षित करने की घोषणा की, यह ऐतिहासिक निर्णय नारी-भविष्य की तस्वीर बदल देगा। वर्तमान में लोकसभा के कुल 543 सदस्य हैं। वर्तमान में मौजूद सदन में महिलाएं 82 हैं। नारी शक्ति वंदन अधिनियम के प्रभावी होने के बाद 181 महिला सांसद होगी। यह अंतर आंकड़ों भर का नहीं होगा अपितु यह अंतर एक सशक्त देश की तस्वीर उकेरेगा। घरेलू हिंसा, यौन उत्पीड़न के दाग 2023 के अध्याय को कलंकित करते हैं, परंतु राहत की बात यह है कि केंद्रीय गृहमंत्री ने हाल ही में न्याय प्रणाली में सुधार के लिए 'भारतीय न्याय संहिता 2023' सहित तीन विधेयक पेश किए। भारतीय न्याय संहिता 2023 सन्1860 की पुरानी दंड संहिता की जगह लेगी। भारतीय न्याय संहिता 2023 की प्रमुख शक्तियों में से एक महिला के विरुद्ध अपराधों से संबंधित प्रावधानों को दी गई प्राथमिकता में निहित है। महिला उत्पीड़न पर कड़ी सजा का प्रावधान विश्वास दिलाता है कि महिलाओं के विरुद्ध हो रहे अपराधों पर लगाम लगेगी। पिछले साल का अंत राहुल गांधी की 'भारत-जोड़ो यात्रा' के दिल्ली पड़ाव के साथ हुआ था और इस साल उस यात्रा का फलितार्थ था 26 प्रमुख विरोधी दलों ने 18 जुलाई को बेंगलुरु में 'नए गठबंधन इंडिया' की बुनियाद रखते हुए 2024 के लोकसभा चुनाव का बिगुल बजाना। राहुल गांधी के लोकसभा से अयोग्य घोषित होने और उनकी बहाली और संसद के शीत सत्र में 146 सांसदों के निलंबन ने संसदीय राजनीति से जुड़े कुछ गंभीर सवालों की ओर इशारा किया है।

हिंसा, आतंक एवं युद्ध की स्थितियों के बीच भारत ने सांस्कृतिक एवं धार्मिक उत्थान एवं उन्नयन की अपूर्व परिवेश भी निर्मित किया गया, भारत के गौरव को पुनःस्थापित करने की अनूठी पहल हुई है। पांच सौ वर्षों के बाद अयोध्या में श्रीराम नये वर्ष के प्रारंभ में टेंट से मंदिर में स्थापित होंगे। वाराणसी में विश्वनाथ धाम परिसर का लोकार्पण भारत की राजनीतिक सोच को एक नया आयाम एवं दृष्टि देने का विशिष्ट उपक्रम कहा जा सकता है। हमारे देश की धार्मिक-सांस्कृतिक परंपराएँ और आदर्श जीवन-मूल्य समृद्ध एवं सुदृढ़ रहे हैं, लेकिन पूर्व सरकारों ने उनके गौरव को राजनीतिक नजरिया देते हुए धूमिल किया है। लेकिन नये राजनीतिक सोच एवं सत्ता ने भारत को अपने सांस्कृतिक एवं धार्मिक वैभव से दुनिया को आकर्षित किया है, जो बीत वर्ष की सुखद घटनाएं कही जा सकती हैं। निश्चित रूप से काशी एवं अयोध्या राष्ट्रीयता का प्रतीक बनकर ये सशक्त भारत का आधार बनेगे। इससे न सिर्फ वहां जाने वाले श्रद्धालुओं को काफी सुविधा मिलेगी, बल्कि संकीर्ण दायरों में सिकुड़ते गए एक आस्था और सभ्यता के प्रतीक को भी गरिमा प्राप्त होगी। सुप्रीम कोर्ट ने 11 दिसंबर को एक अहम फैसला सुनाते हुए कहा कि अनुच्छेद 370 एक अस्थायी व्यवस्था थी, जिसे हटाए जाने का फैसला पूरी तरह संवैधानिक है। इस निर्णय ने अनुच्छेद 370 को निष्प्रभावी बनाए जाने के 5 अगस्त, 2019 के फैसले पर कानूनी मुहर लगा दी। वैश्विक राजनीति में भारत के हस्तक्षेप की दृष्टि से दिल्ली में हुए जी-20 और शंघाई सहयोग संगठन के शिखर सम्मेलनों की महत्वपूर्ण भूमिका रही।

काशी परिसर का उद्घाटन प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी ने भव्य एवं शालीन तरीके से करते हुए प्रत्येक भारत को स्व-आस्था, स्व-संस्कृति एवं स्व-अस्तित्व का अहसास कराया है। भारत का सांस्कृतिक वैभव दुनिया में बेजोड़ रहा है, लेकिन तथाकथित राजनीतिक स्वार्थों एवं संकीर्णताओं के चलते इस वैभव को दुनिया के सामने लाने की बजाय उसे विस्मृत करने की कुचेष्टाएं एवं षड़यंत्र लगातार होते रहे हैं। सुखद स्थिति है कि अब हमारी जागती आंखो से देखे गये स्वप्नों को आकार देने का विश्वास जागा है तो इससे जीवन मूल्यों एवं सांस्कृतिक धरोहरों को सुरक्षित करने एवं नया भारत निर्मित करने का माहौल एवं मंशा देखने को मिल रही है, जो नये वर्ष के लिये शुभ है, नये एवं समृद्ध भारत के अभ्युदय का द्योतक है।

बीते साल ने दुःख एवं निराशा के दृश्य भी दिये हैं। हिमाचल प्रदेश की बाढ़, सिलक्यारा सुरंग, बालेश्वर (बालासोर) ट्रेन-दुर्घटना, मणिपुर की हिंसा और उसके दौरान वायरल हुए शर्मनाक वीडियो से जुड़ी निराशाओं को भी भुलाना नहीं चाहिए। गत 13 दिसंबर को संसद भवन हमले की सालगिरह पर शीतकालीन सत्र के दौरान कुछ लोग अंदर कूद गए और उन्होंने एक कैन से पीले रंग का धुआं छोड़ा। उत्तर प्रदेश में गैंगस्टर से नेता बने अतीक अहमद और उसके भाई अशरफ की सरेआम गोली मारकर हत्या की खबर ने इस साल काफी सुर्खियां बटोरी। अप्रैल के महीने में खालिस्तानी समर्थक अमृतपाल को एक महीने तक लगातार पीछा करने के बाद गिरफ्तार कर लिया गया था।

बीता वर्ष का हर दिन प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी के करिश्माई एवं जुझारू व्यक्तित्व एवं नीतियों के नाम रहा। उन्ही के कारण विश्व में भारत के लिये एक नया नजरिया विकसित हुआ। उनके नाम पर लड़े गये विधानसभा चुनावों में शानदार जीत हुई। तीनों राज्यों में भाजपा की सफलता के पीछे अनेक कारण हैं। मजबूत नेतृत्व, संगठन-क्षमता, संसाधन, सांस्कृतिक आधार और कल्याणकारी योजनाएं वगैरह-वगैरह। 'जो आज तक नहीं हुआ वह आगे कभी नहीं होगा' इस बूढ़े तर्क से बचकर भारत में नया प्रण जगायें। बिना किसी को मिटाये निर्माण की नई रेखाएं खींचें। यही साहसी सफर शक्ति, समय और श्रम को नये वर्ष में सार्थकता देगा।

10 वर्षों में चार गुना बढ़ा इलेक्ट्रानिक्स मैन्यूफैक्चरिंग का उत्पादन, 2024 तक इतना होगा मोबाइल फोन का प्रोडक्शन

भारत का इलेक्ट्रानिक्स मैन्यूफैक्चरिंग सेक्टर 2024 में 15 प्रतिशत बढ़कर 115 अरब डालर हो जाएगा। पिछले वित्त वर्ष में मोबाइल फोन का उत्पादन लगभग 42 अरब डालर था। सरकार द्वारा साझा किए गए आंकड़ों के अनुसार पिछले 10 वर्षों में घरेलू इलेक्ट्रानिक्स मैन्यूफैक्चरिंग चार गुना बढ़कर 8.22 लाख करोड़ (102 अरब डालर) हो गई है। वित्त वर्ष 2014 में यह आंकड़ा 180454 करोड़ रुपये (29.8 अरब डालर) था।

नई दिल्ली। भारत का इलेक्ट्रानिक्स मैन्यूफैक्चरिंग सेक्टर 2024 में 15 प्रतिशत बढ़कर 115 अरब डालर हो जाएगा। वहीं इलेक्ट्रानिक्स मैन्यूफैक्चरिंग में सबसे ज्यादा हिस्सेदारी रखने वाले मोबाइल फोन का उत्पादन मार्च, 2024 तक 50 अरब डालर से अधिक होने की उम्मीद है।

पिछले वित्त वर्ष में मोबाइल फोन का उत्पादन लगभग 42 अरब डालर था। सरकार द्वारा साझा किए गए आंकड़ों के अनुसार, पिछले 10 वर्षों में घरेलू इलेक्ट्रानिक्स मैन्यूफैक्चरिंग चार गुना बढ़कर 8.22 लाख करोड़ (102 अरब डालर) हो गई है।

मोबाइल फोन का निर्यात 15 अरब डॉलर

वित्त वर्ष 2014 में यह आंकड़ा 1,80,454 करोड़ रुपये (29.8 अरब डालर) था। इंडिया सेल्युलर एंड इलेक्ट्रानिक्स एसोसिएशन (सीईए) के प्रेसिडेंट पंकज मोहिंद्रू ने कहा कि चालू वित्त वर्ष में मोबाइल फोन का निर्यात 15 अरब डालर (1.24 लाख करोड़ रुपये) को पार कर सकता है, जो पिछले वित्त वर्ष की तुलना में 35 प्रतिशत से ज्यादा है। आइसीईए का अनुमान है कि चालू वित्त वर्ष की अप्रैल से नवंबर अवधि के दौरान मोबाइल फोन नौ अरब डालर से अधिक हो गया है जबकि पिछले वित्त वर्ष की समान अवधि में यह 6.2 अरब डालर था।

मोबाइल निर्यात 15 अरब डालर तक पहुंचने की उम्मीद

अप्रैल से नवंबर के दौरान इलेक्ट्रानिक्स का निर्यात भी 28 प्रतिशत बढ़कर 1,46,584 करोड़ रुपये हो गया है। वित्त वर्ष 2022-23 के दौरान, 23.6 अरब डालर के इलेक्ट्रानिक्स निर्यात में मोबाइल फोन की हिस्सेदारी 11.1 अरब डालर थी। जबकि वित्त वर्ष 2023-24 में इलेक्ट्रानिक्स निर्यात के अनुमानित 26 अरब डालर में से मोबाइल फोन निर्यात 15 अरब डालर तक पहुंचने की उम्मीद है। आइसीईए ने बताया, इस साल, मोबाइल फोन निर्यात वित्त वर्ष 2023-24 में कुल इलेक्ट्रानिक्स निर्यात का लगभग 58 प्रतिशत होने का अनुमान है, जबकि पिछले वित्त वर्ष में यह लगभग 47 प्रतिशत था।

केंद्र सरकार ने किया 16वें वित्त आयोग का गठन, अरविंद पनगढ़िया को बनाया अध्यक्ष

नीति आयोग के पूर्व उपाध्यक्ष अरविंद पनगढ़िया को 16वें वित्त आयोग का अध्यक्ष बनाया गया है। वित्त मंत्रालय ने एक अधिसूचना जारी करते हुए इसकी जानकारी दी है। इसके साथ ही ऋत्विक रंजनम पांडे को इस आयोग का सचिव बनाया गया है। नोटिफिकेशन में बताया गया है कि इस आयोग के अन्य सदस्यों के नामों का एलान जल्द किया जाएगा।

नई दिल्ली। केंद्र सरकार ने 16वें वित्त आयोग (16th Finance Commission) का गठन कर दिया है। वित्त मंत्रालय की ओर से जारी किए नोटिफिकेशन में इसकी जानकारी मिली है। सरकार ने 16नें वित्त आयोग का अध्यक्ष अरविंद पनगढ़िया को बनाया है।

इससे अरविंद पनगढ़िया नीति आयोग के पूर्व उपाध्यक्ष रह चुके हैं। इसके साथ ही ऋत्विक रंजनम पांडे को इस आयोग का सचिव बनाया गया है। नोटिफिकेशन में कहा गया है कि आयोग के दूसरे सदस्यों के नाम का एलान जल्द किया जाएगा।

नीति आयोग के पहले उपाध्यक्ष रह चुके हैं पनगढ़िया

अरविंद पनगढ़िया जनवरी 2015 से अगस्त 2017 तक नीति आयोग के पहले उपाध्यक्ष रह चुके हैं।

इसके साथ पिछले दिनों G20 मीटिंग के दौरान उन्होंने भारत के शेरपा के रूप में काम किया।

तुर्की (2015), चीन (2016) और जर्मनी (2017) की अध्यक्षता के दौरान G20 की मीटिंग में भारतीय टीम का नेतृत्व कर चुके हैं।

एशियन डेवलपमेंट बैंक के पूर्व मुख्य अर्थशास्त्री रहे अरविंद पनगढ़िया साल 1978 से 2003 तक मैरीलैंड यूनिवर्सिटी के अर्थशास्त्र विभाग के पढ़ा चुके हैं।

इसके साथ ही वे विश्व बैंक और आईएमएफ के विभिन्न पदों पर का कर चुके हैं। उनके पास प्रिंसटन यूनिवर्सिटी से अर्थशास्त्र में पीएचडी की डिग्री है।

16वें वित्त आयोग का कार्यकाल

केंद्र सरकार द्वारा गठित किए 16वां वित्त आयोग केंद्र और राज्य के बीच करों के बंटवारे के साथ-साथ आपदा प्रबंधन पर अपनी सिफारिशें देगा। इस आयोग के सदस्यों का कार्यकाल 31 अक्टूबर, 2025 तक या रिपोर्ट प्रस्तुत करने तक (जो भी पहले हो) होगा।

इनसाइड

नए साल के मौके पर रुपे का यूजर्स को खास तोहफा, मिलेगा 3000 रुपये तक का कैशबैक

नए साल के जश्न के मौके पर RuPay ने क्रेडिट कार्ड यूजर्स के लिए खास ऑफर पेश किया है। इस ऑफर के तहत कपड़े इलेक्ट्रॉनिक्स ट्रेवल ज्वैलरी एयरलाइन्स होटल और डाइनिंग कैटगरी में शॉपिंग पर कैशबैक मिल रहा है। इस ऑफर के लिए यूजर्स को पेमेंट किसी भी यूपीआई एप के जरिए करनी होगी। कैशबैक अमाउंट तीस दिनों के अंदर अकाउंट में क्रेडिट कर दी जाएगी।

नई दिल्ली। RuPay ने क्रेडिट कार्ड यूजर्स के लिए नए साल पर खास ऑफर पेश किया है। रुपये क्रेडिट कार्ड यूजर्स के लिए एक्सक्लूसिव कैशबैक ऑफर पेश किया है। इस ऑफर के तहत 30 दिसंबर से 1 जनवरी तक क्रेडिट कार्ड से हर UPI ट्रांसजेक्शन पर यूजर्स को कैशबैक मिलेगा।

कैशबैक ऑफर का ऐसे उठाएं लाभ

न्यू ईयर कैशबैक ऑफर का बेनिफिट उठाने के लिए यूजर्स को RuPay Credit Card को अपने UPI ऐप से लिंक करना होगा।

इस ऑफर के लिए यूजर्स को कम से कम 7500 रुपये तक खर्च पर 10 प्रतिशत (3000 रुपये तक) का कैशबैक कमा सकते हैं।

कैशबैक यूजर्स के अकाउंट में तीस दिनों के अंदर क्रेडिट हो जाएंगे।

किन कैटगरी में शॉपिंग पर मिलेगा कैशबैक

RuPay Credit Card पर चल रहा न्यू ईयर कैशबैक ऑफर सलेक्टेड कैटगरी में शॉपिंग करने पर ही उपलब्ध है। इनमें कपड़े, इलेक्ट्रॉनिक्स, ट्रेवल, ज्वैलरी, एयरलाइन्स, होटल और डाइनिंग जैसी कैटगरी शामिल है। यूजर्स किसी भी यूपीआई ऐप के जरिए पेमेंट कर सकते हैं।

कौन-कौन से बैंक देते हैं RuPay Credit Card

एक्सिस बैंक
एचडीएफसी बैंक
कोटक बैंक
स्टेट बैंक ऑफ इंडिया
आईसीआईसीआई बैंक
आईडीएफसी फर्स्ट बैंक
बैंक ऑफ इंडिया
पंजाब नेशनल बैंक
यूनियन बैंक ऑफ इंडिया

जनवरी में कब-कब बंद रहेंगे बैंक और बाजार

परिवहन विशेष न्यूज

नई दिल्ली। कल से नया साल शुरू होने वाला है। इस साल भी कई मौके पर बैंक और शेयर बाजार में छुट्टी रहती है। अगर आप भी जनवरी महीने में अपने फाइनेंशियल काम के बैंक जाने वाले हैं तो आपको एक बार बैंक हॉलिडे लिस्ट (Bank Holiday List) को जरूर चेक करना चाहिए।

जनवरी 2024 में कई त्योहार और नेशनल हॉलिडे की वजह से बैंक बंद रहेंगे। भारतीय रिजर्व बैंक (RBI) ने बैंक हॉलिडे 2024 की लिस्ट जारी कर दी है।

बैंक हॉलिडे लिस्ट - जनवरी 2024

आरबीआई हर महीने के बैंक हॉलिडे लिस्ट जारी करता है। केंद्रीय बैंक ने जनवरी 2024 के बैंक हॉलिडे लिस्ट जारी कर दी है। आप आरीबीआई की वेबसाइट पर जाकर बैंक हॉलिडे लिस्ट चेक कर सकते हैं। हर महीने रविवार, के साथ दूसरे और चौथे शनिवार को बैंक बंद रहते हैं। वहीं शेयर बाजार हर शनिवार और रविवार को बंद रहता है। आज हम आपको इस लेख में बताएंगे कि जनवरी 2024 में कब-कब बैंक बंद रहेंगे।

जनवरी में इस दिन बंद रहेंगे शेयर बाजार

शेयर बाजार में एक हफ्ते में केवल 5 दिन ही कारोबार होता है। हर शनिवार और रविवार को शेयर बाजार बंद रहता है। जनवरी में 26 जनवरी को गणतंत्र दिवल के मौके पर शेयर बाजार बंद रहता है।

जनवरी में इस दिन बंद रहेंगे बैंक

तारीख	कारण	स्थान
1 जनवरी	नए साल का पहला दिन	ऐजावल, चेन्नई, गंगटोक, इंफाल, ईटानगर, कोहिमा, शिलांग
2 जनवरी	न्यू ईयर सेलेब्रेशन	ऐजावल
7 जनवरी	रविवार	सभी जगह
11 जनवरी	मिशनरी दिवस	ऐजावल
13 जनवरी	दूसरा शनिवार	सभी जगह
14 जनवरी	रविवार	सभी जगह
15 जनवरी	मकर संक्रांति,पोंगल	बेंगलूरू, चेन्नई, गैंगटोक, गुवाहटी, हैदराबाद आंध्रप्रदेश, तेलंगाना
16 जनवरी	तिरुवल्लुवर दिवस	चेन्नई
17 जनवरी	उझावर थिरुनल	चेन्नई
21 जनवरी	रविवार	सभी जगह
22 जनवरी	इमोइनु इरत्पा	इंफाल
23 जनवरी	गान-नगाई	इंफाल
25 जनवरी	मोहम्मद हजरत अली जन्मदिन	चेन्नई, कानपुर, लखनऊ
26 जनवरी	गणतंत्र दिवस	सभी जगह
27 जनवरी	चौथा शनिवार	सभी जगह
28 जनवरी	रविवार	सभी जगह

यूपीआई से लेकर बैंक लॉकर तक एक जनवरी से बदल जाएंगे ये नियम, जानिए डिटेल

New Rules in 2024 2024 की शुरूआत के साथ ही कुछ ऐसे नियम होंगे जिसमें आपको बदलाव दिखाई देगा। ये बदलाव आधार कार्ड से लेकर सिम कार्ड तक हो सकते हैं। आज हम आपको बताएंगे कि नए साल के शुरुआत के साथ ही कौन-कौन से ऐसे नियम है जो बदल जाएंगे और इनका आम जनता पर क्या प्रभाव पडे़गा। आइये इसके बारे में जानते हैं।

नई दिल्ली। नए साल में केवल 2 दिन बाकी है और इसके आने के साथ बहुत से ऐसे नियम हैं, जो बदल जाएंगे। ये नियम इतने प्रभावी हैं कि हर किसी को इसका असर दिखाई दे सकता है। बता दें कि इस साल सरकार आधार, UPI अकाउंट को डिएक्टिवेट करना, सिम कार्ड की पेपरलेस केवाईसी से जुड़े कुछ बदलाव होंगे।

वैसे हर महीने की पहली तारीख को कुछ नए नियम लागू होते हैं। इनका सीधा असर आम आदमी के डेली लाइफ पर पड़ता है, इसलिए जरुरी है कि आप इसके बारे में विस्तार से जानें और 31 दिसंबर को इन बदलावों को करा लें।

सिम कार्ड की पेपरलेस KYC

नए साल के आने के साथ सिम कार्ड को लेकर कई जरूरी घोषणाएं की जाएगी। 1 जनवरी नई सिम खरीदते वक्त आपको पेपर-बेस्ट नो योर कस्टमर (KYC) की जगह पेपरलेस केवाईसी ले लेगी। इस प्रक्रिया के साथ आपको बायोमेट्रिक के जरिए अपनी डिटेल्स की पुष्टि करनी होगी।

बदलेंगे ITR फाइल करने के नियम

बता दें कि वित्तीय वर्ष 2022-23 के लिए ITR फाइल करने की आखिरी तारीख 31 दिसंबर 2023 है। ऐसे में अगर आप समय रहते ITR फाइल करने है तो आपको खिलाफ एक्शन लेगा।

बता दें कि ITR फाइल करने की आखिरी तारीख 31 जुलाई होती है, लेकिन 31 दिसंबर 2023 विलंबित और संशोधित ITR भरने की आखिरी तारीख है।

देर से आईटीआर फाइल करने पर आपको 5 हजार रुपये का जुर्माना भी लगाया जा सकता है।

बंद होंगे इनएक्टिव UPI अकाउंट

UPI अकाउंट को लेकर भी कुछ बदलाव किए जाएंगे। बता दें कि नेशनल पेमेंट्स कॉर्पोरेशन (NPCI) ने पेमेंट ऐप्स को उन UPI आईडी को डिएक्टिवेट करने का आदेश दिया है।

NPCI ने कहा कि जो 31 दिसंबर तक जो भी अकाउंट एक साल से अधिक समय से इनएक्टिव हैं, उन्हें बंद कर दिया जाए।

आधार अपडेट के नियम

जैसा कि हम जानते हैं सरकार लंबे समय से लोगों को अपने आधार कार्ड को अपडेट करने के लिए कह रही है। मगर अब इसकी आखिरी तारीख 31 दिसंबर 2023 तय की गई है।

ऐसे में अगर आप इस तारीख के बाद अपडेट कराते हैं तो आपको 50 रुपये का भुगतान करना होगा।

बैंक लॉकर से जुड़े नियम

RBI ने बैंक लॉकर धारकों को 31 दिसंबर तक संशोधित बैंक लॉकर अग्रीमेंट पर साइन करने को कहा है, क्योंकि अगले दिन से आपके लॉकर फ्रीज कर दिए जाएंगे।

डीमैट अकाउंट से जुड़े नियम

बता दें कि अगर आपके पास डीमैट अकाउंट है तो सेबी ने कहा है कि डीमैट अकाउंट में नॉमिनी जोड़ने की बात पर जोर दिया था।

5 लाख रुपये तक का इलाज फ्री, आयुष्मान भारत कार्ड कैसे बनता है? जानिए सभी डिटेल्स

आयुष्मान भारत प्रधानमंत्री जन आरोग्य योजना के तहत कम आय वर्ग वाले नागरिक सरकारी या प्राइवेट अस्पताल में 5 लाख रुपये तक का इलाज फ्री में करवा सकते हैं। इस योजना का लाभ उठाने के लिए नागरिकों के पास आयुष्मान कार्ड होना चाहिए। इस योजना का लाभ सिर्फ उन राज्यों पात्र नागरिक ही ले सकते हैं जहां राज्य सरकार ने इसे लागू किया है।

परिवहन विशेष न्यूज

नई दिल्ली। आयुष्मान भारत प्रधानमंत्री जन आरोग्य योजना (PM-JAY) पीएम मोदी की प्रमुख योजनाओं में शामिल है। यह योजना देश के कम आय वर्ग वाले नागरिकों को स्वास्थ्य सुरक्षा देती है, जिसक तहत वे देश के सरकारी और प्राइवेट अस्पतालों में 5 लाख रुपये तक का इलाज फ्री में करवा सकते हैं।

केंद्र सरकार की इस योजना को कुछ राज्य सरकारों ने ही लागू की है। इस योजना का लाभ लेने के लिए आयुष्मान कार्ड होना आवश्यक है। अगर आपने अब तक आयुष्मान कार्ड नहीं बनवाया है तो इसके लिए आपको आयुष्मान भारत योजना के लिए आवेदन करना होगा।

यहां हम आपको आयुष्मान भारत योजना के लिए ऑनलाइन कैसे रजिस्ट्रेशन करवाएं इसके बारे में डिटेल में जानकारी दे रहे हैं।

Ayushman Card कैसे बनता है?

इस योजना का लाभ वही पात्र नागरिक उठा सकते हैं जिनके राज्य में PM-JAY योजना चल रही है। आयुष्मान कार्ड के लिए आवेदन करने के लिए नागरिकों को जनसेवा केंद्र, सरकारी अस्पताल या फिर आयुष्मान भारत के पैनल पर मौजूद अस्पताल में जाना होगा।

यह कार्ड किन नागरिकों का बनेगा इसका चयन SECC 2011 के आधार पर किया जाएगा जो राष्ट्रीय स्वास्थ्य बीमा योजना का हिस्सा है। आप योजना के लिए पात्र हैं या नहीं, यह आप ऑनलाइन घर बैठे पता कर सकते हैं।

स्टेप 1: सबसे पहले आपको PMJAY योजना की ऑफिशियल वेबसाइट https://pmjay.gov.in/ अपने फोन या लैपटॉप में ओपन कर लें।

स्टेप 2: वेबसाइट के होम पेज पर सबसे ऊपर Am I Eligible के ऑप्शन पर क्लिक करना है।

स्टेप 3: अब आपको फोन नंबर डालकर ओटीपी जनरेट करना है।

स्टेप 4: अगले पेज में आपको राज्य, नाम, फोन नंबर और राशन कार्ड नंबर से अपनी पात्रता सर्च करनी है।

अगर आप इस योजना के लिए पात्र हैं तो फिर आसानी से आयुष्मान भारत योजना कार्ड को डाउनलोड कर सकते हैं।

Ayushman Card कौन बनवा सकता है?

PM-JAY योजना को देश में रहने वाले गरीब और आर्थिक रूप से कमजोर नागरिकों को स्वास्थ्य सुरक्षा देने के लिए शुरू किया गया है, जो ग्रामीण और शहरी क्षेत्रों में सामाजिक-आर्थिक जाति जनगणना 2011 पर आधारित है।

ग्रामीण लाभार्थी

कच्ची दीवारों और कच्ची छत वाला केवल एक कमरा

16 से 59 वर्ष की आयु के बीच कोई वयस्क सदस्य नहीं

ऐसे परिवार जिनमें 16 से 59 वर्ष की आयु के बीच कोई वयस्क पुरुष सदस्य नहीं है

विकलांग सदस्य और कोई सक्षम वयस्क सदस्य नहीं

एससी/एसटी परिवार

भूमिहीन परिवार जो अपनी आय का एक बड़ा हिस्सा शारीरिक आकस्मिक श्रम से प्राप्त करते हैं

शहरी लाभार्थी

कूड़ा उठाने वाले

भीख माने वाले

घरेलू कार्य करने वाले

स्ट्रीट वेंडर/मोची/फेरीवाला/सड़कों पर काम करने वाले अन्य सेवा प्रदाता

निर्माण श्रमिक/प्लंबर/राजमिस्त्री/श्रमिक/पेंटर/वेल्डर/सुरक्षा गार्ड/कुली और अन्य सिर-भार श्रमिक

सफाई कर्मचारी/स्वच्छता कार्यकर्ता/माली

घर-आधारित श्रमिक/कारीगर/हस्तशिल्प श्रमिक/दर्जी

परिवहन कर्मचारी/ड्राइवर/कंडक्टर/ड्राइवर और कंडक्टरों का सहायक/ठेला चालक/रिक्शा चालक

दुकान कर्मचारी/सहायक/छोटे प्रतिष्ठान में चपरासी/हेल्पर/डिलीवरी सहायक/अटेंडेंट/वेटर

इलेक्ट्रीशियन/मैकेनिक/असेम्बलर/मरम्मत कर्मी

धोबी/चौकीदार

राम मंदिर के नाम पर हो रही अवैध चंदा वसूली, विश्व हिंदू परिषद ने पुलिस को दी शिकायत

राम मंदिर तीर्थस्थान ट्रस्ट के नाम पर फेसबुक पर फर्जी आइडी बनाकर चंदा वसूली की शिकायत विश्व हिंदू परिषद (वीएचपी) की ओर से की गई है। वीएचपी के प्रवक्ता विनोद बंसल ने एक्स पर पोस्ट करके इसकी जानकारी दी है। उन्होंने दिल्ली पुलिस कमिश्नर उत्तर प्रदेश के डीजीपी और गृह मंत्रालय से मामले का संज्ञान लेने की अपील की है।

नई दिल्ली। राम मंदिर तीर्थस्थान ट्रस्ट के नाम पर फेसबुक पर फर्जी आइडी बनाकर चंदा वसूली की शिकायत विश्व हिंदू परिषद (वीएचपी) की ओर से की गई है। वीएचपी के प्रवक्ता विनोद बंसल ने एक्स पर पोस्ट करके इसकी जानकारी दी है। उन्होंने दिल्ली पुलिस कमिश्नर, उत्तर प्रदेश के डीजीपी और गृह मंत्रालय से मामले का संज्ञान लेने की अपील की है।

विनोद बंसल ने बताया कि उन्होंने फेसबुक पर राम मंदिर तीर्थ स्थान ट्रस्ट के नाम पर आइडी देखी थी, जिसमें मंदिर के लिए चंदा देने की अपील की गई थी। मंदिर परिसर घूमाने और रामलला के दर्शन का लालच भी दिया गया था। इसके साथ ही चंदा वसूली के लिए एक क्यूआर कोड भी दिया गया था।

विनोद बंसल ने मामले की पड़ताल की

विनोद बंसल ने कहा कि देखने से ही आइडी फर्जी लग रही थी। हमने क्यूआर कोड को स्कैन किया तो किसी महिला का नाम आ रहा था। उसके बाद वहां दिए नंबर पर संपर्क किया तो उसने खुद को अयोध्या का रहने वाला और मंदिर का सेवक बताया। इसके बाद वीएचपी के अयोध्या के कार्यकर्ता ने स्थानीय ग्रामीण बनकर फोन किया तब पूरा मामला बिल्कुल फर्जी निकला।

राम मंदिर ट्रस्ट ने चंदा लेने से इनकार किया

विनोद बंसल ने कहा कि हमने अपने अधिवक्ता के जरिए दिल्ली पुलिस, उत्तर प्रदेश पुलिस और गृह मंत्रालय को पत्र भेजा है। मामले में सख्त कार्रवाई कर, जनता को गुमराह करने वालों को रोकने की अपील की है। उन्होंने कहा- राम मंदिर ट्रस्ट, वीएचपी पहले ही किसी भी तरह का चंदा लेने से इनकार कर चुका है।, इसलिए लोग इंटरनेट मीडिया या किसी झांसे में नहीं आएं।

जलेश्वर-बालेश्वर-सोर-भद्रक-कटक- भुवनेश्वर में अमृत भारत ट्रेन

मनोरंजन सासमल, ओड़िशा

भुबनेस्वरःअमृत भारत ट्रेन का भुवनेश्वर समेत कई स्टेशनों पर स्वागत किया गया. अमृत भारत एक्सप्रेस के भुवनेश्वर स्टेशन पहुंचने पर सांसद अपराजिता षाड़ंगी, राज्यसभा सांसद मुन्ना खान और सुलता देओ भी मौजूद रहे और स्वागत किया. अमृत भारत एक्सप्रेस मालदा टाउन और बेंगलुरु के बीच चलेगी।ओडिशा जलेश्वर, बालेश्वर, भद्रक, कटक, भुवनेश्वर, खुर्दा रोड, ब्रह्मपुर इस ट्रेन के स्टॉप हैं। अमृत भारत ट्रेन देश की एक नई तरह की सुपरफास्ट पैसेंजर ट्रेन है। इसमें एलएचबी कोच के साथ गैर वातानुकूलित कोच भी होंगे। यह दोनों तरफ इंजन के साथ पुश-पुल ट्रेन के रूप में चलेगी।

ट्रेन में सुंदर और आकर्षक डिजाइन वाली सीटें, उन्नत सामान रैक, मोबाइल स्टैंड और चार्जिंग पॉइंट, एलईडी लाइट, सीसीटीवी और सार्वजनिक सूचना प्रणाली जैसी उन्नत सुविधाएं हैं। कल प्रधानमंत्री मोदी ने अयोध्या धाम से 2 अमृत भारत और 6 बंदे भारत एक्सप्रेस का शुभारंभ किया. अमृत भारत एक्सप्रेस उनमें से एक है। यह ट्रेन सात जनवरी से नियमित रूप से मालदा से चलेगी।

इसरो प्रमुख से लेकर इटली की पीएम मेलोनी तक...

प्रधानमंत्री मोदी की इन तस्वीरों में देखिये हिंदुस्तान की आत्मीय झलकियां

साल 2023 को अलविदा कहकर देश नई उमंग के साथ 2024 में कदम रख रहा है। तमाम देशवासी नए साल का जमकर जश्न मना रहे हैं। प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी सहित तमाम देश ने कई उपलब्धियां हासिल कीं। ऐसे में हम आपको प्रधानमंत्री मोदी के कुछ यादगार पलों को साझा करेंगे जिसमें चंद्रयान-3 की उपलब्धियां सहित प्रधानमंत्री मोदी की इटली की पीएम जियोर्जिया मेलोनी के साथ मुलाकात शामिल हैं।

नई दिल्ली। साल 2023 को अलविदा कहकर देश नई उमंग के साथ 2024 में कदम रख रहा है। तमाम देशवासी नए साल का जमकर जश्न मना रहे हैं। प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी सहित तमाम देश ने कई उपलब्धियां हासिल कीं। ऐसे में हम आपको प्रधानमंत्री मोदी के कुछ यादगार पलों को साझा करेंगे जिसमें चंद्रयान-3 की उपलब्धियां सहित प्रधानमंत्री मोदी की इटली की पीएम जियोर्जिया मेलोनी के साथ मुलाकात शामिल हैं।

पीएम मोदी के यादगार पल

भारत ने साल 2023 में चंद्रमा पर चंद्रयान-3 की ऐतिहासिक लैंडिंग कर इतिहास रचा है। चंद्रयान 3 की सफल लैंडिंग से भारत का नाम इतिहास के पन्नों में सुनहरे अक्षरों से दर्ज हो गया। इस उपलब्धि के बाद पीएम मोदी ने इसरो चेयरमैन एस सोमनाथ को गले से लगा लिया।

प्रधानमंत्री मोदी ने तमिलनाडु के इरोड में भाजपा के एक दिव्यांग कार्यकर्ता के साथ सेल्फी ली। उन्होंने एक्स पर दिव्यांग कार्यकर्ता के साथ की तस्वीर शेयर की थी और बताया था कि पार्टी कार्यकर्ता बतौर बूथ अध्यक्ष भाजपा के लिए काम करते हैं।

प्रधानमंत्री आवास पर पीएम मोदी ने जी20 शिखर सम्मेलन से पहले अमेरिका के राष्ट्रपति जो बाइडन से मुलाकात की।

प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने चीन और नेपाल सीमा पर स्थित पिथौरागढ़ के गुंजी में स्थानीय लोगों से मुलाकात की और बुजुर्ग महिला से आशीर्वाद लिया।

पीएम मोदी ने हिमाचल प्रदेश के लेप्चा में पहाड़ी कुत्ते को खाना खिलाया।

पीएम मोदी ने मध्य प्रदेश के दौरे के दौरान एक भाजपा कार्यकर्ता की छड़ी उठाने में मदद की। साथ ही उन्होंने भाजपा कार्यकर्ताओं के साथ बातचीत भी की थी।

कर्नाटक के कोलार में पीएम मोदी ने भाजपा कार्यकर्ताओं के साथ बातचीत की। इस दौरान तमाम पार्टी कार्यकर्ता बड़ी ही संजीदगी के साथ पीएम मोदी की बातों को ध्यान से सुन रहे हैं।

पीएम मोदी ने जर्मनी के चांसलर ओलाफ स्कोल्ज के साथ पान का स्वाद लिया।

नई संसद भवन के उद्घाटन के दौरान पीएम मोदी का अलग अंदाज देखने को मिला। उन्होंने सर्वप्रथम लोकतंत्र के मंदिर को दंडवत प्रणाम किया। इसके अलावा तस्वीर में पीएम मोदी सेंगोल के साथ दिखाई दे रहे हैं।

मध्य प्रदेश के शहडोल स्थित पकरिया गांव में प्रधानमंत्री मोदी ने बच्चों से बात की। तस्वीर में प्रधानमंत्री मोदी बच्चों को फुटबॉल देते हुए दिखाई दे रहे हैं।

प्रधानमंत्री मोदी अयोध्या एयरपोर्ट के उद्घाटन के मौके पर मीरा मांझी के आवास पहुंचे और चाय की चुस्की ली।

दिल्ली के प्रगति मैदान स्थित 'भारत मंडपम' में दो दिवसीय जी20 शिखर सम्मेलन का सफल आयोजन हुआ।

नए साल के स्वागत को पर्यटकों से पटे पहाड़, रहने को नहीं मिल रहे कमरे; लाखों लोग पहुंचे हिमाचल-उत्तराखंड

- मसूरी, धनोल्टी, कौसानी, अल्मोड़ा बड़ी संख्या में पहुंचे सैलानी।
- नैनीताल में उम्मीद के मुताबिक नहीं पहुंचे पर्यटक।
- मनाली में 75 प्रतिशत आक्यूपेंसी, क्रिसमस की तुलना में कम पहुंचे पर्यटक।
- शिमला में होटल, होम स्टे में भी कमरे उपलब्ध नहीं हो रहे।

नए साल के स्वागत में पहाड़ से लेकर जंगल तक पर्यटकों से पट गए हैं। उत्तराखंड के मसूरी धनोल्टी कौसानी औली लैंसडोन काणाताल अल्मोड़ा और रानीखेत में बड़ी संख्या में सैलानी नए साल का जश्न मनाने के लिए पहुंच चुके हैं। देर रात तक इनकी संख्या बढ़ने की संभावना है। हालांकि नैनीताल में उम्मीद के मुताबिक पर्यटक नहीं पहुंचे हैं।

नई दिल्ली। नए साल के स्वागत में पहाड़ से लेकर जंगल तक पर्यटकों से पट गए हैं। उत्तराखंड के मसूरी, धनोल्टी, कौसानी, औली, लैंसडोन, काणाताल, अल्मोड़ा और रानीखेत में बड़ी संख्या में सैलानी नए साल का जश्न मनाने के लिए पहुंच चुके हैं। देर रात तक इनकी संख्या बढ़ने की संभावना है।

हालांकि नैनीताल में उम्मीद के मुताबिक पर्यटक नहीं पहुंचे हैं। वहीं, हिमाचल प्रदेश के पर्यटनस्थलों में पिछले दो दिन में 3.75 लाख से अधिक पर्यटक पहुंचे। यह गिनती अभी बढ़ ही रही है।

उत्तराखंड के सभी पर्यटक स्थल पैक

उत्तराखंड के मसूरी, धनोल्टी, कौसानी, औली, लैंसडोन, काणाताल, अल्मोड़ा और रानीखेत में लगभग डेढ़ लाख से ज्यादा पर्यटक नए साल का जश्न मनाने के लिए पहुंच चुके हैं। पिछले तीन दिन से सैलानियों का जश्न के लिए उत्तराखंड पहुंचने का सिलसिला शुरू हो गया था।

प्रदेश के अधिकांश पर्यटक स्थल सैलानियों से पैक हैं। मसूरी में भी बड़ी संख्या में पर्यटक पहुंचे हैं। हालांकि अभी वहां जाम जैसी कोई स्थिति नहीं है। नैनीताल में उम्मीद के मुताबिक पर्यटक नहीं पहुंचे। नैनीताल में शाम तक शहर के भीतर के करीब 1000 वाहन क्षमता वाले पार्किंग भी फुल नहीं हो सके।

पुलिस का विशेष यातायात प्लान भी लागू नहीं हुआ। ऐसे में पर्यटक वाहनों को एंट्री प्वाइंट पर रोका नहीं गया है। होटल एंड रेस्टोरेंट एसोसिएशन अध्यक्ष दिग्विजय सिंह बिष्ट ने बताया कि कुछ बड़े होटलों को छोड़ शेष होटलों का कारोबार मंदा रहा।

दो दिन में हिमाचल पहुंचे 3.75 लाख पर्यटक

पिछले दो दिन में नववर्ष मनाने के लिए हिमाचल में पर्यटनस्थलों में 3.75 लाख से अधिक पर्यटक पहुंचे हैं। कसौली, चायल, शिमला, कुफरी, नारकंडा में सभी जगह होटलों में कोई भी कमरा खाली नहीं था। होम स्टे में भी लोगों को ठहरने के लिए कमरे नहीं मिल रहे थे। अटल रोहतांग सुरंग के दूसरे छोर पर स्नो प्वाइंट में आज 30 हजार से अधिक पर्यटक पहुंचे।

वर्ष के अंत में प्रदेश के देवी मंदिरों चिंतपूर्णी, नयनादेवी, ज्वालामुखी, बज्रेश्वरी देवी, बगलामुखी व चामुंडाजी में भी हजारों श्रद्धालुओं ने माथा टेका और नए साल में खुशहाली की कामना की। शिमला व मैक्लोडगंज के होटल पैक हैं जबकि कसौली और डलहौजी में 90 प्रतिशत ऑक्यूपेंसी।

मनाली में क्रिसमस की तुलना में कम पर्यटक पहुंचे। यहां 75 प्रतिशत आक्यूपेंसी रही। मनाली में यातायात संचालन के लिए अतिरिक्त पुलिस बल तैनात किया गया था, जबकि मैक्लोडगंज में जाम से बचने के लिए वनवे ट्रैफिक प्लान लागू किया गया था। शिमला शहर में प्रवेश से पहले शोघी और तारादेवी में 10 मिनट से लेकर 30 मिनट तक पर्यटक वाहन रोके जाते रहे।

नए साल में मुफ्त कोचिंग फिर शुरू करेगी दिल्ली सरकार, IAS अफसर-डॉक्टर और इंजीनियर बनने का सपना होगा पूरा

परिवहन विशेष न्यूज

नई दिल्ली। कोरोना काल से बंद जय भीम मुख्यमंत्री प्रतिभा विकास योजना को नए साल में रीलान्च करने की तैयारी है। दिल्ली सरकार इसमें कुछ बदलाव कर रही है, जिसे कैबिनेट मंजूरी के बाद दोबारा छात्रों के लिए शुरू किया जाएगा।

योजना के तहत निजी कोचिंग संस्थान में मुफ्त कोचिंग के साथ छात्र को 2500 रुपये का मासिक वजीफा भी दिया जाएगा, जिसका उपयोग छात्र यात्रा व अध्ययन सामग्री की खरीद के लिए कर सकता है। इसमें प्रोत्साहन राशि भी जोड़ने की योजना है।

छात्रों की संख्या भी बढ़ाई जाएगी। बदलाव के साथ जल्द ही इसे कैबिनेट में लाया जाएगा। कोरोना के बाद दोबारा यह योजना शुरू करने की कोशिश की गई थी, लेकिन फंड रुक जाने के कारण योजना आगे नहीं बढ़ पा रही थी।अब इस तरह का सिस्टम बनाया जा रहा है कि फंड नहीं रुकने पाए।

योजना के तहत कई छात्र आइएएस अधिकारी डॉक्टर इंजीनियर वकील व बैंकर आदि बनने का सपना देखते हैं लेकिन इसके लिए प्राइवेट कोचिंग की आवश्यकता होती है।

इन परीक्षाओं के लिए कर सकते हैं तैयारी

इस योजना के तहत अनुसूचित जाति, अनुसूचित जनजाति, अन्य पिछड़ा वर्ग और जिस परिवार की वार्षिक आय आठ लाख रुपये से कम है, वे भी इस योजना का लाभ उठा सकते हैं।इन श्रेणियों से संबंधित मेधावी छात्र जेईई, एनईईटी, सीएलएटी, सिविल सेवा, बैंकिंग, रेलवे व एसएससी आदि प्रतियोगी परीक्षाओं के लिए निजी संस्थानों से मुफ्त कोचिंग प्राप्त कर सकते हैं।

निजी कोचिंग संस्थानों में मिलेगी मुफ्त कोचिंग

योजना के तहत कई छात्र आइएएस अधिकारी, डॉक्टर, इंजीनियर, वकील व बैंकर आदि बनने का सपना देखते हैं, लेकिन इसके लिए प्राइवेट कोचिंग की आवश्यकता होती है। कई बच्चों के माता-पिता सामाजिक और आर्थिक रूप से कमजोर होते हैं, जिसकी वजह से बच्चे प्राइवेट कोचिंग से वंचित रह जाते हैं। इसी को ध्यान में रखते हुए दिल्ली सरकार ने जय भीम मुख्यमंत्री प्रतिभा विकास योजना शुरू की थी।

इस योजना के तहत छात्रों को पैनल में शामिल निजी कोचिंग संस्थानों से मुफ्त कोचिंग मिलेगी। यदि कोई छात्र किसी गैर-सूचीबद्ध संस्थान में भी प्रवेश लेना चाहता है तो उसे अनुसूचित जाति व अनुसूचित जनजाति कल्याण विभाग को एक आवेदन भेजना होगा। अच्छे कोचिंग संस्थानों को सरकार जोड़ेगी।

मन की बात में प्रधानमंत्री ने देशवासियों को नेशन फर्स्ट (राष्ट्र प्रथम) का संदेश दिया

मन की बात का 108 वां संस्करण पूरे जिले भर में देखा व सुना गया

परिहवन विशेष अनूप कुमार शर्मा

भीलवाड़ा। देश के प्रधानमंत्रीनरेन्द्र मोदी के द्वारा प्रसारित मन की बात के कार्यक्रम को भीलवाड़ा जिले में हजारों कार्यकर्ताओं ने सुना व देखा। भीलवाड़ा जिले के मुख्य कार्यक्रम प्रताप मण्डल स्थित बूथ नम्बर 15, वार्ड नम्बर 21, पटेल नगर कर्मचारी कॉलोनी में मण्डल अध्यक्ष अनिल सिंह जादोन के निवास स्थान पर देखा व सुना गया। मन की बात जिला संयोजक विजय हिंगोरानी व प्रताप मण्डल संयोजक अशोक टहलानी के द्वारा सांसद सुभाष बहेडिया, जिलाध्यक्ष प्रशान्त मेवाड़ा, नगर परिषद् सभापति राकेश पाठक, पूर्व विधायक विट्ठल शंकर अवस्थी व अन्य आये हुए पार्षद गणों व पदाधिकारियों का तिलक लगाकर व दुपट्टा पहनाकर स्वागत किया गया।

भाजपा जिला मीडिया प्रभारी महावीर समदानी ने बताया कि प्रधानमंत्री ने मन की बात में मन की बात के 108 वें संस्करण के चर्चा करते हुए 108 अंक का विशेष महत्व बताते हुए कहा कि माला में 108 मनके, 108 आठ बार जप, मंदिर में 108 सीढ़ियाँ एवं 108 घंटियां आदि का उदाहरण देखर 108 अंक का विशेष महत्व बताया।

प्रधानमंत्री ने वोकल फॉर लोकल व नए स्टार्टप, मेंटल हेल्थ एवं फिजीकल हेल्थ, व्यायाम आदि के बारे में चर्चा की। इसी के साथ आगामी 3 जनवरी को सावित्री बाई फुले की जयंती मनाने की बात कही। शिक्षा एवं समाज सुधार में उनकी महत्वपूर्ण भूमिका रही। इसी के साथ तमिलनाडु के शिवगंगा साम्राज्य की रानी वेलू नाचियार के बारे में बताया जिन्होंने अंग्रेजों के खिलाफ युद्ध किया तथा पहली बार वूमेन ग्रुप बनाया। इस प्रकार मन की बात में प्रधानमंत्री ने दोनों वीरांगनाओं को श्रद्धा सुमन अर्पित किए।

प्रधानमंत्री ने मन की बात के कार्यक्रम में चर्चा करते हुए लोक साहित्य एवं श्रीराम मंदिर निर्माण के इस अवसर पर अनेक प्रकार से की जा रही भजनों की रचना के बारे में भी बताया। इसी के साथ उन्होंने सोशल मीडिया पर श्रीराम भजन के साथ ऐसी रचनाओं को शेयर करने की बात भी कही। इसी के साथ नेशन फस्ट (राष्ट्र प्रथम) का संदेश देते हुए देशवासियों को भारत को 2047 तक पूर्ण रूप से विकसित राष्ट्र बनाने में अपना योगदान देने का संदेश दिया।

इस अवसर पर अशोक टहिलानी, लव कुमार जोशी, नरेश जाट, गजेंद्र सिंह, राम सिंह, उदय सिंह भाटी, शंभू लाल वैष्णव, अवधेश बिश्नोई, गिरिराज गहलोत, गणेश सुराणा, संदीप पाठक, हिमांशु शर्मा, पुरुषोत्तम बैरवा, दिलीप गोयल, ओम प्रकाश सिंह, राहुल त्रिवेदी, अभिषेक त्रिवेदी, अशोक चेचानी, शंभू सिंह, मंगलेश छिपा, दौलत अग्रवाल, रतन अग्रवाल, हरिश मानवानी, छैल बिहारी जोशी, अनिल जैन, दिनेश गेंगट, रतन प्रजापत व अन्य कार्यकर्ता उपस्थित रहे।

स्वामी, मुद्रक, प्रकाशक एवं संपादक संजय कुमार बाटला द्वारा इम्प्रेशंस प्रिंटिंग एंड पैकेजिंग लिमिटेड, सी-18,19,20 सेक्टर 59, नोएडा (उत्तर प्रदेश) से मुद्रित एवं 3, प्रियदर्शनी अपार्टमेंट ए-4, पश्चिमी विहार, नई दिल्ली- 110063 से प्रकाशित। सम्पर्क : 9212122095, 9811902095. newstransportvishesh@gmail.com
(इस अंक में प्रकाशित समस्त समाचारों के चयन एवं संपादन पी.आर.बी. एक्ट के अंतर्गत उत्तरदायी) किसी भी कानूनी विवाद की स्थिति में निपटारा दिल्ली के न्यायालय के अधीन होंगे। Title Code : DELHIN28985. DCP Licensing Number F.2 (P-2) Press/2023